mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-06 अंक-207 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
28 जुलाई 2026 मंगलवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

: ब्रीफ बॉक्स :

पीएम पर आपत्तिजनक पोस्ट पर दिल्ली पुलिस का एक्शन

पोस्ट, वीडियो और कमेंट्स हटाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को भेजे जाएंगे नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। जंतर-मंतर पर सीजेपी प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य नेताओं के खिलाफ सोशल मीडिया पर की गई आपत्तिजनक और अभद्र टिप्पणियों पर दिल्ली पुलिस कार्रवाई की तैयारी कर रही है। पुलिस सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी।

सूत्रों के मुताबिक, पुलिस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को नोटिस जारी कर सकती है। इन नोटिस के जरिए पुलिस आपत्तिजनक पोस्ट, वीडियो और कमेंट्स को हटाने की मांग करेगी। पुलिस का कहना है कि प्रदर्शन के दौरान और उसके बाद अपलोड किए गए कंटेंट की समीक्षा की जा रही है। समीक्षा के बाद अभद्र प्रकृति वाली पोस्ट को हटाने के लिए संबंधित प्लेटफॉर्म्स को नोटिस भेजे जाएंगे।

कंटेंट की पहचान करने का काम जारी: पुलिस सूत्रों ने बताया कि अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर इस तरह के कंटेंट की पहचान करने की प्रक्रिया पहले से ही चल रही है।

पुलिस यह भी जांच कर रही है

नीट पर लगे प्रतिबंध, प्रदर्शन में हुई हिंसा की हो जांच: डीएमके

नई दिल्ली,एजेंसी। तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की डीएमके ने देश भर में होने वाली मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट पर तुरंत रोक लगाने की मांग की है। डीएमके सांसद टीआर बालू ने सोमवार को लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया, जिसमें मौजूदा मानसून सत्र के दौरान नीट पर रोक लगाने की मांग की गई। यह मांग मई में हुए नीट यूजी पेपर लीक के बाद उठी है, जिससे देश भर में गुस्सा फैल गया था और छात्रों ने एक महीने से ज्यादा समय तक विरोध प्रदर्शन किया था। आखिरकार इसके चलते केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा।

जंतर मंतर हिंसा की जांच की भी मांग: इसके साथ ही डीएमके ने नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध कर रहे छात्रों के खिलाफ कथित तौर पर जानलेवा हथियारों के अंधाधुंध इस्तेमाल की जांच की भी मांग की। प्रधान के इस्तीफे वाले दिन ही पीएम मोदी की अगुवाई वाली केंद्र सरकार ने प्रल्हाद जोशी को नया केंद्रीय शिक्षा मंत्री नियुक्त किया है।

लोकसभा में परीक्षा संशोधन बिल पेश

विपक्ष छात्रों की पिटाई मामले पर बहस के लिए अड़ा, हंगामे की वजह से 4 बार स्थगित

नई दिल्ली,एजेंसी। लोकसभा में सोमवार को लोक परीक्षा संशोधन बिल पेश किया गया। हालांकि विपक्ष के हंगामे की वजह से पहले दिन चर्चा नहीं हो पाई। विपक्ष छात्रों पर नीट पेपर लीक के विरोध प्रदर्शन के दौरान लाठीचार्ज के मामले पर बहस के लिए अड़ा रहा।कांग्रेस का कहना है कि इस मुद्दे पर गृह मंत्री अमित शाह सदन में आकर बयान दें। इस वजह से लोकसभा की कार्यवाही दिन में 4 बार स्थगित हुई। जब भी कार्यवाही शुरू हुई, कांग्रेस, सपा के सांसद वेल में बैनर लेकर पहुंच जाते और नारेबाजी करने लगते।स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि बिल पर चर्चा के लिए सरकार और विपक्षी सांसद सहमति बनाकर आएं। इसके बाद बिरला ने कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल और सपा सांसद अखिलेशा यादव से मुलाकात की।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मंगलवार दोपहर 12 बजे चर्चा शुरू हो सकती है। इससे पहले सुबह दोपहर 11 बजे केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने सदन में पेपर लीक से जुड़ा लोक परीक्षा संशोधन बिल पेश किया था।

धर्मेंद्र प्रधान संसद पहुंचे, एनडीए सांसदों ने स्वागत किया

पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफे के बाद सोमवार को पहली बाहर संसद पहुंचे। एनडीए सांसदों ने उन्हें शॉल और मिथिला पाग पहनाकर सम्मानित किया और संसद भवन के अंदर तक ले गए।

सांसदों ने 'धर्मेंद्र प्रधान जिंदाबाद' के नारे भी लगाए। प्रधान ने नीट पेपर लीक विवाद के बीच 25 जुलाई को इस्तीफा दिया था।

खड़गे बोले- अमित शाह सदन में आकर बयान दें

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे बोले, 'हम चर्चा से डरने वाले नहीं हैं। मैं चाहता हूं कि अमित शाह को सदन में आना चाहिए और बताना चाहिए लाठीचार्ज क्यों करवाया।'

कार्यवाही मंगलवार सुबह तक के लिए स्थगित

किरेन रिजिजू बोले- कांग्रेस और उसके साथी जानबूझकर चर्चा नहीं होने दे रहे हैं। इतना महत्वपूर्ण बिल है, इस पर चर्चा होनी चाहिए। ऐसा काम मत कीजिए, आपकी इमेज बहुत गिर चुकी है। बदनाम होने वाला काम मत कीजिए। चर्चा में हिस्सा लेना चाहिए।स्पीकर चेयर पर बैठे कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी ने कहा, 'आप चर्चा नहीं करना चाहते हैं। आप देश के युवा के भविष्य लिए चर्चा नहीं चाहते हैं। यदि आपको आज चर्चा नहीं करते हैं तो मैं सभा की कार्रवाई मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित करता हूं।'

रिजिजू ने कहा- युवा विपक्ष की हरकत देख रहा

राज्यसभा की कार्यवाही शाम को 5 :15 बजे फिर शुरू हुई। किरेन रिजिजू ने कहा, 'चर्चा के लिए टाइम दिया गया है। मंत्री बैठे हैं। बाहर बोलते हैं कि ससंद में बोलने नहीं देते हैं। यहां हम हाथ जोड़-जोड़कर कहते हैं। बोलिए तो मान नहीं रहे हैं। ये बिल पर देश के लोग चर्चा सुनना चाहते हैं। मैं खड़गे जी से अनुरोध करता हूं कि आप अपने सांसदों को समझाएं। आप लोग चर्चा नहीं करने दे रहे हैं मैं इस व्यवहार का खंडन करता हूं।

सुप्रीम कोर्ट बोला: प्रदर्शन पर पुलिस की बर्बरता सही नहीं

● आंदोलन एक संवैधानिक अधिकार, प्रोटोकॉल तय हो ● पुलिस से मारपीट भी चिंताजनक

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना संवैधानिक अधिकार है, जिसे छीना नहीं जा सकता। केवल प्रदर्शन या आंदोलन होने के आधार पर पुलिस की बर्बरता या सख्ती को सही नहीं ठहराया जा सकता। कोर्ट ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर पुलिस लाठीचार्ज से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह बात कही। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच ने साथ ही कहा कि प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों पर हमले होना उतनी ही चिंता की बात है और सरकार से इस पर जवाब मांगा जा सकता है।

अब कोर्ट मंगलवार को इन सभी याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करेगा। इन याचिकाओं में आरोप है कि नीट पेपर लीक और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस ने ज्यादती की। ये याचिकाएं 20 जुलाई को कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के संसद मार्च से जुड़ी हैं।

महाराष्ट्र-गुजरात में दो नीट स्टूडेंट्स ने आत्महत्या की

री-एग्जाम के बाद तनाव में थे, सुसाइड नोट में लिखा- डॉक्टर बनने का सपना अधूरा रह गया

सूरत,एजेंसी। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर में 19 साल की मेडिकल छात्रा अंकिता सुरेश सांगले ने रविवार को आत्महत्या कर ली। पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उसने लिखा है कि परीक्षा में उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिलने से वह मानसिक तनाव में थी और डॉक्टर बनने का उसका सपना अधूरा रह गया। वहीं, गुजरात के सूरत में 17 साल के NEET-UG के छात्र कहान पटेल ने आत्महत्या कर ली। परिजनों का कहना है कि वह परीक्षा से जुड़े तनाव और अनियमितताओं से परेशान था।

पुलिस को सुसाइड नोट मिला: पुलिस को अंकिता के कमरे से एक सुसाइड नोट भी मिला है। इसमें उसने लिखा कि री-एग्जाम में उसे 166 अंक मिले, जबकि कटऑफ 177 अंक था। उसके इस कदम के लिए उसके माता-पिता और भाई को जिम्मेदार न ठहराया जाए। परिजनों के मुताबिक, घटना के समय छात्रा अपने कमरे में पढ़ाई कर रही थी। काफी देर तक कमरे से कोई आवाज नहीं आने पर उसकी मां ने दरवाजा खोला, जहां वह मृत मिली। अंकिता ने रविवार को अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी।

नीट केस: फास्ट ट्रैक कोर्ट में पहले दिन सुनवाई टली

सीबीआई की तरफ से कोई वकील नहीं पहुंचा

» आरोपियों की जमानत पर 3 अगस्त को सुनवाई

नई दिल्ली,एजेंसी। नीट पेपर लीक मामले में राउज एवेन्यू की स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट में सोमवार को पहले ही दिन सुनवाई टल गई। सुनवाई के दौरान CBI की ओर से कोई सरकारी वकील मौजूद नहीं था।

इसके बाद कोर्ट ने डायरेक्टर ऑफ प्रोसिक्यूशन को CBI का पक्ष रखने के लिए सरकारी वकील नियुक्त करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने आरोपी दिनेश बिवाल व विकास बिवाल की जमानत याचिका पर सुनवाई 3 अगस्त तक टाल दी।

यह पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट, 2024 के तहत बनी स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट में इस मामले की पहली सुनवाई थी। अब NEET पेपर लीक से जुड़े सभी मामलों की सुनवाई इसी कोर्ट में होगी। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने CBI से जमानत याचिका पर जवाब मांगा था। पीएम मोदी ने 23 जुलाई को पेपर लीक मामले को लेकर अपने पहले सोशल मीडिया पोस्ट में फास्ट ट्रैक कोर्ट्स बनाने की घोषणा की थी। 23 जुलाई और 26 जुलाई को पीएम ने सोशल मीडिया पर दो वीडियो मैसेज जारी किए थे। दोनों में उन्होंने कहा था कि दोषियों पर कार्रवाई के लिए हमने फास्ट ट्रैक कोर्ट बना दिए हैं। नीट पेपर लीक मामले में CBI ने अब तक 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपी 6 अगस्त तक न्यायिक हिरासत में हैं। एजेंसी के मुताबिक, पेपर लीक का नेटवर्क शुभम खैरनार, यश यादव, मांगीलाल बिवाल, विकास बिवाल और दिनेश बिवाल तक फैला था। आरोप है कि क्वेश्चन पेपर 10 लाख रुपए में खरीदा गया और बाद में अन्य उम्मीदवारों को भी लाखों रुपए लेकर बेचा गया।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

नई एसआईटी गठित, सीए भी होगा सदस्य

नई दिल्ली। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच की सामने यूपी सरकार ने इस मामले पर अपना पक्ष रखा।

राज्य सरकार की तरफ से पैरवी कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि मामले की निष्पक्ष तरीके से जांच के लिए एसआईटी का दोबारा गठन किया गया है।

SC में क्कसरकार ने रखा पक्ष

सुप्रीम कोर्ट के दिए गए निर्देशों को अपनाते हुए नई गठित एसआईटी में वरिष्ठ अधिकारियों को शामिल किया गया है। सॉलिसिटर जनरल ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के मुताबिक लखनऊ रेंज के पुलिस महानिरीक्षक किरण एस को जांच विभाग का प्रमुख बनाया गया है।

साथ ही तीन सदस्यीय एसआईटी में दो सीनियर आइपीएस अधिकारियों को शामिल किया गया है। इनमें अयोध्या रेंज के उप पुलिस महानिरीक्षक सोमेन बर्मा और अयोध्या के वरिष्ठ

पुलिस अधीक्षक गौरव ग्रोवर शामिल हैं।

नई एसआईटी पर सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

इस नई गठित एसआईटी पर सुप्रेमेकोर्ट ने सुझाव दिया कि टीम में किसी चार्टर्ड अकाउंटेंट को भी शामिल किया जाना चाहिए। इसपर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को भरोसा दिलाया कि जल्द ही ष्ट को भी शामिल किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार से कहा कि वह एसआईटी में पांचवें सदस्य के तौर पर एक फॉरेंसिक ऑडिटर को भी शामिल करे। यह टीम दो हफ्ते के अंदर अपनी पहली स्टेटस रिपोर्ट सौंपेगी।

नितिन गडकरी मेटा और एक्स पर केस कर सकते हैं

एथेनॉल फ्यूल विवाद से जुड़े डीपफेक वीडियो के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट से मिली मंजूरी

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी अब मेटा प्लेटफॉर्म्स, एक्स और गूगल एलएलसी के खिलाफ सिविल सुट दायर कर सकते हैं। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को गडकरी को एथेनॉल विवाद से जुड़ी एआई-जनरेटेड डीपफेक वीडियो और डिजिटल कंटेंट के खिलाफ कार्रवाई की अनुमति दे दी है। गडकरी ने अपनी याचिका में कहा है कि इन वीडियो में उन्हें एथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल (ईबीपी) प्रोग्राम और ई20 पहल से गलत तरीके से जोड़ा गया है।

याचिका के मुताबिक, ये दोनों प्रोजेक्ट पूरी तरह से केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के हैं और इनमें गडकरी की कोई भूमिका नहीं है।

सरकारी मंत्रालयों को भी बनाया गया प्रतिवादी... इस मामले में केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा दूरसंचार मंत्रालय को भी प्रतिवादी बनाया गया है। गडकरी ने स्पष्ट किया है कि इस मुकदमे का उद्देश्य सार्वजनिक चर्चा या सरकारी नीतियों की आलोचना को रोकना नहीं है। याचिका में कहा गया है कि इसका मकसद जनता को किसी भी सरकारी फैसले पर निष्पक्ष बहस या आलोचना से रोकना नहीं है।

निजी लाभ के लिए पद के दुरुपयोग का आरोप: गडकरी का तर्क है कि सोशल मीडिया पर मौजूद कंटेंट पूरी तरह से झूठा, मनगढ़ंत और दुर्भावनापूर्ण है। याचिका के मुताबिक, अज्ञात लोगों ने एआई वीडियो के जरिए यह गलत धारणा फैलाई कि गडकरी और उनका परिवार ईबीपी और ई20 पहल से लाभ कमा रहा है। गडकरी ने कहा कि ये आरोप उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के लिए लगाए गए हैं, ताकि यह दिखाया जा सके कि उन्होंने निजी लाभ के लिए सार्वजनिक पद का दुरुपयोग किया है।

कंटेंट हटाने की मांग: मुकदमे में मांग की गई है कि प्रतिवादियों को इन मानहानिकारक और छेड़छाड़ किए गए कंटेंट को हटाने, डिसेबल करने और इनके प्रसार को रोकने का निर्देश दिया जाए। इससे पहले, भाजपा की नागपुर शहर सोशल मीडिया सेल के प्रमुख ने भी कई सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और कंटेंट क्रिएटर्स के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। यह शिकायत एथेनॉल मिश्रित ईंधन विवाद को लेकर गडकरी को निशाना बनाने वाले पोस्ट के संबंध में की गई थी।

भारत बना मेडिकल टूरिज्म का हब

● 16 साल में विदेशी मरीज 4.5 गुना बढ़े ● 1.5 लाख करोड़ का होगा बाजार

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत अब सिर्फ सस्ते इलाज का ठिकाना नहीं, बल्कि मेडिकल टूरिज्म का बड़ा वैश्विक केंद्र बनने की ओर बढ़ रहा है। 2009 में जहां 1.12 लाख विदेशी मरीज इलाज के लिए भारत आए थे, वहीं 2025 में यह संख्या बढ़कर 5.07 लाख हो गई। यानी 16 साल में विदेशी मरीजों की संख्या करीब 4.5 गुना बढ़ी। इनमें बांग्लादेश इराक, उज्बेकिस्तान, सोमालिया, ओमान और केन्या से बड़ी संख्या में मरीज भारत पहुंचे। भारत का मेडिकल टूरिज्म बाजार 2025 में 84 हजार करोड़ रुपए का था। अनुमान है कि 2030 तक यह बढ़कर 1.56 लाख करोड़ रुपए हो जाएगा।

भारत में विशेषज्ञ डॉक्टर्स का जल्दी मिल जाना: इस बढ़त की वजह सिर्फ कम खर्च नहीं है। इसकी बड़ी वजह भारत में विशेषज्ञ डॉक्टर्स का जल्दी मिल जाना है। इसके अलावा जांच रिपोर्ट्स का तुरंत आना और इलाज का खर्च पहले से तय हो जाना भी विदेशी मरीजों को लुभा रहा है। अमेरिका में जिस इलाज पर 15 हजार रुपए खर्च होते हैं, वही भारत में 1,000 से 2,000 रुपए में संभव है। नीदरलैंड्स में दांतों के सामान्य इलाज पर 16 हजार रुपए ज्यादा लगते हैं, जबकि लखनऊ में यही इलाज 3,000 रुपए में हो जाता है।

भारत में 69 हजार अस्पताल: भारत के पास मेडिकल टूरिज्म संभालने के लिए बड़ा हेल्थ इंफ्रा भी मौजूद है। देश में कुल 69,364 अस्पताल हैं। इनमें 43,486 निजी (करीब 66%) और 25,778 सरकारी अस्पताल हैं। 12 लाख रजिस्टर्ड डॉक्टर हैं। 1,299 अस्पतालों को एनएबीएच की मान्यता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह निजी नेटवर्क भारत आने वाले विदेशी मरीजों को संभालने की क्षमता देता है। 172 देशों को भारत अब दे रहा ई-मेडिकल वीसा ब्रिटिश नागरिक एंडरसन को अपने देश में न्यूरो परामर्श का वेटिंग पीरियड एक साल से ज्यादा था। भारत आने पर उन्हें अपॉइंटमेंट अगले दिन मिल गया। एमआरआई व ब्लड टेस्ट तुरंत हुए और रिपोर्ट भी घंटे भर में मिल गई। इलाज की रफ्तार भी लोगों को भारत आने पर आकर्षित कर रही है।

भारत अब उन मरीजों को भी लुभा रहा है, जो पहले इलाज को तुर्किए व थाईलैंड जाते थे। इसकी वजह विशेषज्ञ डॉक्टर, अस्पतालों की मान्यता और खर्च का बड़ा अंतर है। डिजिटल माध्यमों से अब मरीज पहले ही डॉक्टर, अस्पताल, इलाज की प्रक्रिया की जानकारी ले लेते हैं। इससे भरोसा बढ़ा है।

म.प्र.-राजस्थान में फिर तेज बारिश का अलर्ट

यूपी में 4 नदियां खतरे के निशान से ऊपर, हिमाचल में 27 दिन में 15 मौतें- 135 सड़कें बंद

भोपाल/नई दिल्ली,एजेंसी। बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तर ओडिशा-पश्चिम बंगाल तटों पर बने डिप्रेशन सिस्टम से कई राज्यों में मानसून फिर से एक्टिव हो गया है। मध्य प्रदेश और राजस्थान में आज से असर दिखेगा। मौसम विभाग ने राजस्थान के भरतपुर, जयपुर, कोटा, अजमेर और उदयपुर संभाग के 10 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है।

म.प्र. में 27 से 30 जुलाई के बीच भारी बारिश की संभावना है। सोमवार को भोपाल, इंदौर, उज्जैन, रीवा सहित 55 जिलों में भारी बारिश

का दौर रहेगा। इस मानसून सीजन राज्य में अब तक 13.2 इंच (334.9 मिमी) बारिश हुई है, जबकि इस समय तक 15.5 इंच (395.2 मिमी) बारिश होनी चाहिए थी। यानी अब तक 15% कम बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। लखीमपुर और बहराइच में बहुत भारी बारिश की चेतावनी है। सुबह से 40 से ज्यादा शहरों में बादल छाए हैं। घाघरा, शारदा समेत 4 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

नोएडा जिला अस्पताल की इमरजेंसी में ऑनकॉल नहीं आया डॉक्टर

एक्सरे के बिना बच्चा किया रेफर; भड़के अपर निदेशक

नोएडा, एजेंसी। जिला अस्पताल की इमरजेंसी में गंभीर रूप से घायल मरीजों के तत्काल उपचार के लिए विशेषज्ञों को ऑनकॉल बुलाने की सेवा ध्वस्त हो गई है। चौंकाने वाली बात है कि तीन दिन पूर्व अस्पताल के स्टाफ ने लहूलुहान हालत में एक मरीज को विशेषज्ञ की परामर्श और बिना एक्सरे जांच के रेफर करने के लिए बोल दिया। चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में मेरठ मंडल के अपर निदेशक इमरजेंसी में आनकाल विशेषज्ञ न बुलाने और एक्सरे के बिना मरीज रेफर करने पर भड़क गए। उन्होंने स्टाफ को फटकार लगाकर सीएमएस से मामले में जवाब तलब किया है।

घायल बच्चे को बिना विशेषज्ञ परामर्श रेफर करने की तैयारी: जानकारी के अनुसार, 24 जुलाई को नोएडा के एक परिवार ने सात वर्षीय आदिल को गंभीर हालत में उपचार के लिए जिला अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराया था। बच्चे की हड्डी में काफी चोट लगी थी, जिससे खून लगातार बह रहा था। स्टाफ ने घायल बच्चे का खून साफ किया और पट्टी बांध दी। हैरानी की बात है कि स्टाफकर्मी ने ऑर्थोपैडिक विशेषज्ञ को बुलाने

के लिए न तो इमरजेंसी कॉल की और न ही उसकी चोट का सटीक पता लगाने के लिए एक्सरे किया। बावजूद इसके स्टाफकर्मी ने बच्चे को दूसरे अस्पताल रेफर करने के लिए बोल दिया।

औचक निरीक्षण में खुली इमरजेंसी की पोल: अब इस घटनाक्रम के बीच अपर निदेशक डॉ. मनोज कुमार सेन जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण कर रहे थे। इमरजेंसी में पहुंचकर उन्होंने मरीजों से बातचीत की तो व्यवस्था पर सवाल खड़े होने लगे। अपर निदेशक ने बच्चे की स्थिति देखी और स्टाफ से विशेषज्ञ को आनकाल बुलाकर परामर्श देने व एक्सरे-जाने के लिए पूछा, तो जवाब में कहा कि इमरजेंसी में एक्सरे-तकनीशियन की डयूटी नहीं है और विशेषज्ञ भी आनकाल बुलाने पर नहीं आते हैं। इतना सुनकर अपर निदेशक भड़क गए। उन्होंने सीएमएस को निर्देश देकर व्यवस्था बनवाकर मरीज का सफल उपचार शुरू किया।

सीएमएस से मांगा जवाब, व्यवस्था पर उठे सवाल

सूत्र बताते हैं कि 25 जुलाई की दोपहर बाद भी रेडियोलाजी विभाग में एक्सरे-तकनीशियन के न होने की शिकायत सीएमएस से की गई। अब सवाल ये है कि क्या अस्पताल की इमरजेंसी यूनिट में व्यवस्था रामभरोसे चल रही है या फिर जिम्मेदार चिकित्सक अपने कर्तव्यों का पालन न कर शासन के आदेशों की धज्जियां उड़ा रहे हैं ? इमरजेंसी विभाग में आर्थोपेडिक विशेषज्ञ और एक्सरे-टेक्नीशियन को न बुलाने पर अपर निदेशक ने नाराजगी जाहिर की थी। उनके निर्देश पर स्टाफ को सख्त हिदायत दी गई है। किसी मरीज को स्वास्थ्य सेवा एवं उपचार में किसी तरह की दिक्कत न हो। इसका विशेष ध्यान दिया जाएगा। फिलहाल अपर निदेशक ने लिखित में जवाब-तलब नहीं किया है।

फरीदाबाद में मोहना एलिवेटेड मार्ग पर निर्माण कार्य ठप, पीडब्ल्यूडी को चार महीने से नहीं मिल रहे पाइप

डागर, एजेंसी। फरीदाबाद में मोहना एलिवेटेड मार्ग पर पेयजल की लाइन को बदलने के लिए पिछले चार महीने से पीडब्ल्यूडी को पाइप नहीं मिल रहे। यह लाइन जैन कॉलोनी के बूस्टर से पंचायत भवन के प्रांगण में बनाए गए बूस्टर के लिए जाती है। पाइपलाइन न बदले जाने के कारण पिछले चार महीने से पिलर डालने का काम ठप पड़ा हुआ है। चार दिन पहले पीडब्ल्यूडी के अधीक्षक अभियंता मनोज ओला ने एलिवेटेड साइट का निरीक्षण किया था।

निर्माण कार्य पूरा होने की चुनौती: वहीं, निरीक्षण के दौरान ओला ने पीडब्ल्यूडी के विभागीय अधिकारियों और ठेकेदार को एलिवेटेड के काम को दिसंबर-2026 तक पूरा करने के निर्देश दिए। यदि इसी तरह से पाइपलाइन के कारण काम ठप रहा तो योजना का निर्माण कार्य अंतिम तारीख तक कैसे पूरा हो जाएगा।

ट्रैफिक जाम से मिलेगी मुक्ति, नोएडा के सेक्टर 75 में बनेंगी नई सड़कें; जल्द शुरू होगा काम

नोएडा, एजेंसी। नोएडा में सेक्टर-75 की स्थिति और हालात जल्द बदलेंगें। पूर्व में लोगों की शिकायत पर नोएडा विधायक पंकज सिंह ने कार्रवाई के निर्देश दिए। रविवार को स्थानीय निवासी और नोएडा प्राधिकरण अधिकारियों संग समीक्षा बैठक की। सेक्टर-26 स्थित कार्यालय में आयोजित इस बैठक में नोएडा प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारी और विभिन्न आवासीय सोसायटियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। विधायक पंकज सिंह ने सेक्टर-75 की वर्षों से लंबित समस्याओं का प्राथमिकता आधार पर समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए। वर्षा के बाद नोएडा प्राधिकरण और बिल्डर सड़कों की मरम्मत का कार्य करेगा।

समीक्षा बैठक में कड़े निर्देश दिए: एपेक्स एथेना के एओए सचिव राहुल सिन्हा ने बताया कि विधायक ने समीक्षा बैठक में कड़े निर्देश दिए। उन्होंने सड़क कार्यों के साथ खराब स्ट्रीट लाइटों की प्राथमिकता से मरम्मत कराने, डीसीपी ट्रैफिक द्वारा सेक्टर का शीघ्र निरीक्षण कर यातायात जाम की समस्या दूर करने और माल से हो रहे ध्वनि प्रदूषण पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं प्राधिकरण की संयुक्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए गए।

नई सुविधाओं के विस्तार पर भी सहमति

इसके अलावा ओपन जिम सहित सेक्टर के सौंदर्यीकरण, सार्वजनिक सुविधाओं के विकास, सोसायटियों की आंतरिक रखरखाव एवं नागरिक सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई, सेक्टर-15 सबस्टेशन से जुड़ी लोड शेडिंग समस्या का स्थायी समाधान और इंडोसम पार्क के समुचित विकास एवं नई सुविधाओं के विस्तार पर भी सहमति बनी। बैठक में नोएडा प्राधिकरण ने सेक्टर-75 की फेडरेशन-75 के गठन का अनुरोध किया। साथ ही सेक्टर-75 की 16 सोसाइटियों के लिए बिल्डर, नोएडा प्राधिकरण और निवासी प्रतिनिधियों की संयुक्त त्रिपक्षीय बैठक आयोजित करने पर भी सहमति बनी, जिससे लंबित मुद्दों का समन्वित एवं स्थायी समाधान सुनिश्चित हो सकेगा।

गुरु केवल शिक्षा नहीं, जीवन को दिशा भी देते हैं, गुरुजनों के आदर्शों को जीवन में उतारें : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए गुरु-शिष्य परंपरा को भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर बताया है। उन्होंने कहा कि गुरु केवल शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि जीवन को दिशा भी देते हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे अपने गुरुजनों का सदैव सम्मान करें और उनके बताए आदर्शों को जीवन में उतारें। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे व्यक्ति का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित होगा और विकसित प्रदेश के निर्माण का मार्ग भी प्रशस्त होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संदेश में कहा, 'मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों, भारतीय मनीषा एवं सनातन संस्कृति में गुरु को साक्षात परम ब्रह्म माना गया है। विक्रम संवत 2083 की आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा (29 जुलाई, 2026) को गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व हम सबके लिए गुरुजनों के प्रति श्रद्धा, कृतज्ञता और सम्मान प्रकट करने का

अवसर है। ' उन्होंने कहा कि सनातन परंपरा में यह पर्व महर्षि वेदव्यास की स्मृति में 'व्यास पूर्णिमा' के रूप में मनाया जाता है। बौद्ध परंपरा में यह भगवान बुद्ध के प्रथम उपदेश और धर्मचक्र प्रवर्तन का स्मृति-दिवस है। जैन परंपरा में इसका संबंध गौतम स्वामी के ज्ञान-दीक्षा प्रसंग से है, जबकि सिख परंपरा में भी गुरु-वाणी सर्वोपरि है। इसीलिए गुरु पूर्णिमा गुरु-शिष्य परंपरा एवं आध्यात्मिक चेतना का सार्वकालिक उत्सव है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभु श्रीराम ने गुरु वशिष्ठ से ज्ञान और संस्कार प्राप्त कर आदर्श जीवन की मर्यादाओं को आत्मसात किया, जबकि भगवान श्रीकृष्ण ने महर्षि सांदीपनि के आश्रम में रहकर ज्ञान प्राप्त किया।

उन्होंने कठोपनिषद का उल्लेख करते हुए कहा कि नचिकेता ने यमराज के समक्ष क्षणिक सुख और वैभव का नहीं, बल्कि 'श्रेय' अर्थात् सत्य एवं आत्मज्ञान का मार्ग चुना। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जहां गुरु का सम्मान होता है, वही समाज उन्नति करता है। इसी भावना के अनुरूप राज्य सरकार ने पिछले नौ वर्षों में शिक्षक सम्मान और उनके सशक्तीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि पारदर्शी भर्ती, समयबद्ध सेवा-सुविधाएं, आधुनिक डिजिटल संसाधन तथा निरंतर क्षमता संवर्धन सुनिश्चित कर सरकार ने गुरुजनों को ऐसा समर्थ वातावरण उपलब्ध कराने का प्रयास किया है, जहां वे ज्ञान, संस्कार और राष्ट्र निर्माण की अपनी भूमिका का प्रभावी ढंग से निर्वहन कर सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षकों का सम्मान और उनका कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है।

अम्मी को मत मारो चाचा': गाजियाबाद में मासूम गिड़गिड़ाता रहा और सनकी आशिक ने गला दबाकर महिला को मार डाला

गाजियाबाद, एजेंसी। प्रेम नगर कॉलोनी में रिजवाना की हत्या के समय उनके दो छोटे बच्चे घर पर थे। जबकि दोनों बड़े बच्चे स्कूल गए हुए थे। दोनों में हाथापाई होने पर चार वर्षीय बेटे ने चाचा को अम्मी को न मारने के लिए कहा, लेकिन आरोपित ने उसकी एक न सुनी। लोगों ने बताया कि निसार के घर से निकालने के कुछ देर बाद ही फैजान घर पहुंचा। वह रिजवाना से बातचीत करने लगा। इस दौरान उसने बच्चों को बाहर भेज दिया। कुछ देर बाद कमरे से तेज आवाज आने लगी तो चार वर्षीय बेटा कमरे में चला गया। उसने देखा कि चाचा रस्सी से अम्मी का गला दबा रहे हैं। उसने रोते हुए चाचा से अम्मी को न मारने के लिए कहा, लेकिन आरोपित ने उसकी एक न सुनी। आरोपित यही कहता रहा कि अगर तू मेरी नहीं हुई तो किसी की नहीं रहने दूंगा। एसीपी लोनी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में फैजान का एकतरफा प्रेम सामने आया है। उसने रिजवाना से साथ चलने को कहा लेकिन उसने साथ चलने से मना कर दिया। गुस्से में आरोपित ने रिजवाना की गला दबाकर हत्या कर दी।

बेसुध मां से लिपट कर रोते रहे बच्चे: आरोपित के जाने के बाद रिजवाना बेसुध फर्श पर पड़ी थी। चार वर्षीय बेटा मां से लिपट कर रोता रहा। बच्चों के रोने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और निसार को घटना की जानकारी दी।

पेपर लीक पर होगी सख्त कार्रवाई', सीएम रेखा गुप्ता बोलीं- निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था के लिए सरकार प्रतिबद्ध

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि भारत के युवाओं का भविष्य निष्पक्षता, पारदर्शिता और समान अवसरों पर आधारित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर हर छात्र की आकांक्षाओं की रक्षा के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार पेपर लीक जैसी अनियमितताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और मजबूत कानूनी प्रावधानों के जरिए परीक्षा प्रणाली को अधिक सुरक्षित और विश्वसनीय बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस्राइल को चुनौती दे रहा ईरान: हिजबुल्ला के समर्थन में आए मोजतबा, कहा- जिहाद और प्रतिरोध ही आखिरी रास्ता

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने इस्राइल के खिलाफ हिजबुल्ला के लड़ाकों की खुलकर सराहना की है। उन्होंने हिजबुल्ला को आक्रामकता के खिलाफ मजबूत चट्टान बताते हुए कहा कि इस्लामिक रिपब्लिक ने लेबनानी लड़ाकों की रक्षा को अपनी रणनीतिक नीति का हिस्सा बनाया है। अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम के अनुसार, मोजतबा खामेनेई ने कहा कि हिजबुल्ला की मजबूती दुनिया भर के उन देशों के लिए हौसले का संदेश बन गई है, जो दमन और वैश्विक अहंकार के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं।

शेख नईम कासिम को लिखे जवाब में क्या कहा गया: सोशल मीडिया पर साझा किए गए संदेश में खामेनेई ने हिजबुल्ला के महासचिव शेख नईम कासिम और संगठन के लड़ाकों की ओर से भेजे गए वफादारी पत्र का जवाब दिया।

उन्होंने उनके धैर्य, बड़प्पन और त्याग की सराहना करते हुए हिजबुल्ला को इस्राइल के खिलाफ प्रतिरोध में सबसे आगे रहने वाली अडिग चट्टान बताया। 'जिहाद और प्रतिरोध' को लेकर खामेनेई का क्या बयान रहा।

खामेनेई ने कहा कि आज जब दुनिया के कई देश अमेरिकी सरकार और अपराधी जायोनी ताकतों के अत्याचार और दमन से परेशान हैं, तब जिहाद और प्रतिरोध के अलावा आगे बढ़ने का कोई दूसरा रास्ता नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि लेबनान का हिजबुल्ला जिहादी समूहों का नेतृत्व करते हुए इस्राइल और उसके समर्थकों के हिंसक हमलों के खिलाफ मजबूती से खड़ा है। उनके अनुसार, यह दृढ़ता दुनिया के आजाद देशों के लिए प्रेरणा का संदेश बन गई है। ईरान ने अपनी रणनीतिक नीति को लेकर क्या कहा मोजतबा खामेनेई ने कहा कि इन लड़ाकों की रक्षा करना ईरान की रणनीतिक नीति है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका के साथ युद्ध समाप्त करने से जुड़े किसी भी समझौते के लिए लेबनान की क्षेत्रीय अखंडता बनाए रखना और इस्राइली 'आक्रामकता' को पूरी तरह तथा बिना शर्त समाप्त करना पहली शर्त होनी चाहिए।

हिजबुल्ला के विकास को लेकर क्या टिप्पणी की गई: खामेनेई ने दक्षिणी लेबनान के लोगों के धैर्य और समर्थन की सराहना की।

नेपाल: भारत से सटे जिले में सांप्रदायिक हिंसा, एक की मौत, अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लागू; प्रशासन ने क्या कहा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के भारत से सटे सुनसरी जिले में सांप्रदायिक हिंसा में एक व्यक्ति की मौत हो गई। इस घटना में सुरक्षा कर्मियों समेत कई अन्य लोग घायल हुए हैं। हिंसा के बाद प्रशासन ने सोमवार से इलाके के कुछ हिस्सों में अनिश्चितकाल के लिए पाबंदियां लगा दी हैं। सुनसरी जिला प्रशासन कार्यालय के अनुसार, यह पाबंदियां सुबह 7 बजे से लागू हुई। ये प्रतिबंध कोशी प्रांत के इस जिले के पांच बाजार क्षेत्रों में लगाए गए हैं। प्रशासन ने कहा कि ये आदेश अगले निर्देश तक लागू रहेंगे।

किन गतिविधियों पर लगी रोक: प्रशासन के आदेश के तहत प्रभावित इलाकों में चार से ज्यादा लोगों के एक साथ जमा होने, प्रदर्शन, सार्वजनिक बैठक और धरने पर रोक लगा दी गई है। पुलिस के अनुसार, रविवार रात देवगंज ग्रामीण नगरपालिका के कसानगंज इलाके में दो समुदायों

के लोगों के बीच झड़प हुई। दोनों समुदाय अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित कर रहे थे। इसी दौरान लाउडस्पीकर के इस्तेमाल और धार्मिक झंडे लगाने को लेकर विवाद शुरू हो गया। पुलिस ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच कहासुनी बढ़ गई और मामला हिंसा में बदल गया।

स्थिति को संभालने के लिए सुरक्षा कर्मियों को मौके पर भेजा गया। गोलीबारी में युवक की मौत पुलिस के अनुसार, हालात को काबू में करने की कोशिश के दौरान सुरक्षा बलों ने गोली चलाई। इसमें 24 साल के ओम प्रकाश मेहता की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि झड़प में सुरक्षा कर्मियों समेत एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

पाबंदी तोड़ने पर क्या होगी कार्रवाई: प्रशासन ने कहा कि प्रतिबंधों का उल्लंघन करने वालों पर 500 नेपाली रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। इसके अलावा उन्हें एक महीने तक की जेल या दोनों सजाएं दी जा सकती हैं।

एपस्टीन की 'फेवरेट': बेलारूस की डेंटिस्ट की कहानी, जो 100 मिलियन, 33 कैरेट की हीरे की अंगूठी की बनी दावेदार

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका में यौन अपराधों के आरोपी जेफरी एपस्टीन की मौत के करीब सात साल बाद उसकी कथित गर्लफ्रेंड डॉ. करिना शुलियाक एक बार फिर चर्चा में हैं। हाल ही में अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) द्वारा जारी लाखों दस्तावेजों में दोनों के रिश्ते से जुड़ी कई नई जानकारियां सामने आई हैं। इन दस्तावेजों के अनुसार, बेलारूस की रहने वाली 37 वर्षीय डेंटिस्ट करिना शुलियाक एपस्टीन की वसीयत में शामिल हैं और उन्हें उसकी संपत्ति से 100 मिलियन डॉलर (करीब 860 करोड़ रुपये) तक की रकम और 33 कैरेट की हीरे की अंगूठी मिल सकती है। हालांकि उन्हें आखिरकार कितनी संपत्ति मिलेगी, यह अभी तय नहीं है।

2011 में हुई थी पहली मुलाकात: एक अमेरिकी समाचार पत्र की रिपोर्ट के मुताबिक, करिना 2010 में स्टूडेंट वीजा पर बेलारूस से अमेरिका आई थीं। वह

अंग्रेजी सीख रही थीं और एक डेंटल असिस्टेंट के रूप में करीब 15 डॉलर प्रति घंटे की नौकरी करती थीं। मार्च 2011 में उनकी मुलाकात 58 वर्षीय जेफरी एपस्टीन से हुई। शुरुआत में उन्होंने एपस्टीन की आर्थिक मदद लेने से इनकार कर दिया था, लेकिन बाद में दोनों के बीच करीबी रिश्ता बन गया। कुछ ही महीनों में करिना एपस्टीन के न्यू मैक्सिको स्थित रैंच और निजी द्वीप तक पहुंच गई।

पढ़ाई से लेकर खर्च तक सब उठाया: दस्तावेजों के मुताबिक, एपस्टीन ने करिना की पढ़ाई का पूरा खर्च उठाया। उसने कोलंबिया यूनिवर्सिटी के डेंटल स्कूल में दाखिला दिलाने के लिए अपने प्रभाव का इस्तेमाल किया। रिपोर्ट के अनुसार, उसने विश्वविद्यालय को करीब 2.10 लाख डॉलर का दान भी दिया। एपस्टीन ने करिना की ट्यूशन फीस भरी, उन्हें क्रेडिट कार्ड दिया, दुनिया भर की यात्राएं कराईं और वर्षों में करीब 10 लाख डॉलर दिए। उसने करिना के माता-पिता को भी बेलारूस में हजारों डॉलर भेजे।

अमेरिका की नागरिकता दिलाने के लिए कराई शादी: रिपोर्ट में दावा किया गया है कि करिना का स्टूडेंट वीजा खत्म हो चुका था। ऐसे में 2013 में एपस्टीन ने उन्हें अमेरिका में कानूनी रूप से रहने का रास्ता निकालने के लिए अपनी एक महिला कर्मचारी और कथित पीड़िता से शादी कराने की योजना बनाई। दोनों महिलाओं की शादी न्यूयॉर्क में हुई। इसके बाद इमिग्रेशन दस्तावेज दाखिल किए गए और करिना को ग्रीन कार्ड मिल गया। बाद में 2018 में वह अमेरिकी नागरिक बन गईं। एक साल बाद दोनों का तलाक हो गया। बाद में अमेरिकी कांग्रेस की एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि दूसरी महिला ने आरोप लगाया था कि उस पर यह शादी करने का दबाव बनाया गया था।

एपस्टीन के घर और संपत्तियों का संभालती थीं काम: 2019 तक करिना एपस्टीन के न्यूयॉर्क स्थित आलीशान घर में रहती थीं। वह उसकी कई संपत्तियों के प्रबंधन में भी मदद करती थीं। घरों की देखभाल, कर्मचारियों का काम, फर्नीचर की खरीद और अन्य व्यवस्थाएं वह संभालती थीं। रिपोर्ट के अनुसार, मोरक्को में एक महल खरीदने की कोशिश में भी उनकी भूमिका थी।

मौत से पहले आखिरी बार करिना से हुई थी बात: जुलाई 2019 में एपस्टीन को यौन तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के करीब एक महीने बाद जेल से उसने करिना को फोन किया। बताया जाता है कि यही उसकी आखिरी फोन कॉल थी। उसने करिना से कहा था कि मुकदमे में समय लगेगा और फिलहाल वह कहीं और रहने की व्यवस्था कर लें। अगले ही दिन 10 अगस्त 2019 को न्यूयॉर्क की जेल में एपस्टीन मृत पाया गया। अधिकारियों ने उसकी मौत को आत्महत्या बताया था।

वसीयत में मिला बड़ा हिस्सा: मौत से कुछ समय पहले एपस्टीन ने अपनी वसीयत में संशोधन किया था। उसमें करिना के लिए 33 कैरेट की हीरे की अंगूठी और अपनी संपत्ति का बड़ा हिस्सा छोड़ा गया। हालांकि पीड़ितों को मुआवजा देने के बाद अब एपस्टीन की संपत्ति का मूल्य लगभग 120 से 200 मिलियन डॉलर के बीच बताया जाता है।

ऑल इंडिया पुलिस वूशु प्रतियोगिता में सीधी के खिलाड़ियों का जलवा: एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक जीतकर बढ़ाया जिले का गौरव

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। खेल प्रतिभा और कड़ी मेहनत के दम पर सीधी जिले के खिलाड़ियों ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है हैदराबाद में आयोजित ऑल इंडिया पुलिस वूशु प्रतियोगिता-2026 में सीधी जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक जीतकर जिले और प्रदेश का नाम गौरवान्वित किया है प्रतियोगिता का आयोजन 23 से 30 जुलाई 2026 तक हैदराबाद में किया गया, जिसमें देशभर के विभिन्न पुलिस बलों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में सीधी जिले के तीन खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पदक अपने नाम किए प्रतियोगिता में गीतांजलि त्रिपाठी ने सीआईएसएफ की ओर से खेलते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया वहीं राहुल यादव ने सीआईएसएफ का प्रतिनिधित्व करते हुए रजत पदक जीता। इसके अलावा वैष्णवी त्रिपाठी ने बीएसएफ की ओर से शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। विशेष बात यह है कि तीनों खिलाड़ी सीधी स्थित वूशु ट्रेनिंग सेंटर, पुलिस लाइन में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं वर्तमान में ये खिलाड़ी खेल कोटे के माध्यम से देश के प्रतिष्ठित केंद्रीय सुरक्षा बलों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। गीतांजलि त्रिपाठी और राहुल यादव जहां सीआईएसएफ में पदस्थ हैं, वहीं वैष्णवी त्रिपाठी बीएसएफ में अपनी सेवाएं दे रही हैं खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के साथ-साथ देश सेवा में योगदान देना जिले के युवाओं के लिए प्रेरणादायक उदाहरण बन गया है सीधी के इन खिलाड़ियों ने यह साबित किया है कि यदि प्रतिभा को सही मार्गदर्शन, अनुशासन और मेहनत का साथ मिले तो छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों से भी खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल कर सकते हैं।

जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती कमला जोशी ने खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह सफलता पूरे सीधी जिले के लिए गर्व का विषय है उन्होंने कहा कि सीधी के खिलाड़ी लगातार राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर जिले की पहचान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रहे हैं खेल विभाग द्वारा प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, संसाधन और अवसर उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं उन्होंने कहा कि इन खिलाड़ियों की उपलब्धियां जिले के अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेंगी और अधिक से अधिक युवा खेलों के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित होंगे जिला वूशु संघ की अध्यक्ष डॉ. रंजना मिश्रा ने भी खिलाड़ियों की सफलता पर खुशी जताई उन्होंने कहा कि सीधी के खिलाड़ियों ने पूरे प्रदेश का नाम रोशन किया है उन्होंने कहा कि पुलिस लाइन स्थित वूशु ट्रेनिंग सेंटर में खिलाड़ियों द्वारा किया गया निरंतर अभ्यास, अनुशासन और समर्पण ही इस सफलता का आधार है उन्होंने खिलाड़ियों के साथ-साथ उनके प्रशिक्षक मानिंद शेर अली खान को भी बधाई एवं शुभकामनाएं दीं डॉ. मिश्रा ने कहा कि जिले में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है जरूरत है तो उन्हें सही प्रशिक्षण और अवसर उपलब्ध कराने की सीधी के खिलाड़ियों की यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक साबित होगी। जिला खेल प्रशिक्षक एवं वूशु कोच मानिंद शेर अली खान ने कहा कि इन खिलाड़ियों ने अपने खेल जीवन की शुरुआत सीधी के प्रशिक्षण केंद्र से की थी शुरुआती दौर से ही इन खिलाड़ियों ने मेहनत, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण दिखाया उन्होंने कहा कि आज यही खिलाड़ी देश की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर जिले का गौरव बढ़ा रहे हैं उनकी सफलता यह संदेश देती है कि निरंतर प्रयास और सही प्रशिक्षण से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है कोच ने कहा कि सीधी के वूशु ट्रेनिंग सेंटर में भविष्य में भी नई प्रतिभाओं को तैयार करने के लिए प्रयास जारी रहेंगे, ताकि जिले से और अधिक खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकें।

गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग, मऊगंज में गोसेवकों ने सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग को लेकर सोमवार को मऊगंज में गोसेवकों ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गो सम्मान आह्वान अभियान के तहत पहुंचे गोसेवकों ने नायब तहसीलदार नीरज द्विवेदी को ज्ञापन सौंपते हुए गौवंश संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की समाजसेवी अखिलेश पांडे के नेतृत्व में गोसेवक चाक मोड़ से भजन-कीर्तन करते हुए कलेक्टर कार्यालय पहुंचे इस दौरान उन्होंने अभियान के तहत जुटाए गए करीब 1 लाख 25 हजार लोगों के हस्ताक्षर वाली सीडी भी प्रशासन को सौंपी ज्ञापन में गौ माता को राष्ट्रमाता या राष्ट्र आराध्या के रूप में संवैधानिक मान्यता देने, गौवंश संरक्षण के लिए एकीकृत कानून बनाने, अलग गोपालन मंत्रालय की स्थापना और गौ तस्करी व गौवध पर कठोर कार्रवाई की मांग की गई।

गोसेवकों ने ग्राम पंचायत स्तर पर नंदीशाला, जिला स्तर पर आदर्श गो अभ्यारण्य, राजमार्गों पर गौ-वाहिनी एंबुलेंस की व्यवस्था और गोचर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग भी रखी अखिलेश पांडे ने बताया कि अभियान आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि मांगों को लेकर जिला और प्रदेश स्तर पर जनजागरण किया जाएगा तथा आवश्यकता पड़ने पर दिल्ली में भी प्रदर्शन किया जाएगा। नायब तहसीलदार नीरज द्विवेदी ने ज्ञापन प्राप्त कर उसे वरिष्ठ अधिकारियों तक भेजने का आश्वासन दिया।

सूदखोरी के दबाव में कारोबारी आत्महत्या मामला: रेलवे कर्मचारी समेत 3 आरोपी गिरफ्तार, सुसाइड नोट के आधार पर पुलिस की कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहर के चर्चित कारोबारी आत्महत्या मामले में कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रेलवे कर्मचारी समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 15 जून को कारोबारी नितिन गुप्ता (38) द्वारा आत्महत्या किए जाने के मामले में मिले डेढ़ पेज के सुसाइड नोट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों के खिलाफ आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने का मामला दर्ज किया गया है पुलिस ने रविवार को आरोपी नितिन चौरसिया, राकेश यादव उर्फ बब्लू और रेलवे कर्मचारी सरिता यादव को गिरफ्तार किया। तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है पुलिस के मुताबिक, कारोबारी नितिन गुप्ता ने 15 जून को अपनी दुकान में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। घटना के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की थी जांच के दौरान मृतक के पास से एक डेढ़ पेज का सुसाइड नोट मिला, जिसमें उन्होंने आर्थिक परेशानी, बढ़ते कर्ज और मानसिक दबाव का उल्लेख किया था कोतवाली थाना प्रभारी राघवेंद्र तिवारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया कि कारोबारी ने आरोपियों से करीब एक लाख रुपए उधार लिए थे समय बीतने के साथ मूलधन और ब्याज की राशि बढ़ती गई, जिससे कारोबारी पर आर्थिक दबाव बढ़ता गया ारोप है कि पैसों के लेन-देन को लेकर लगातार दबाव बनाए जाने से नितिन गुप्ता मानसिक तनाव में आ गए थे। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि उनकी जमीन की रजिस्ट्री सरिता यादव के नाम कर दी गई थी और मकान भी करीब 13 लाख रुपए में बेचा गया था इसके बाद भी पैसों को लेकर दबाव बनाए जाने का आरोप लगाया गया है।

संपत्ति और लेन-देन की जांच जारी: पुलिस ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर प्रथम दृष्टया आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने की पुष्टि होने पर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की विवेचना अभी जारी है आर्थिक लेन-देन, संपत्ति हस्तांतरण से जुड़े दस्तावेजों और अन्य तथ्यों की गहन जांच की जा रही है पुलिस यह भी पता लगा रही है कि इस मामले में किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका तो नहीं है।

मऊगंज में 63 लीटर अवैध शराब जब्त, आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले में अवैध शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत हनुमना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 63 लीटर अवैध देशी शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल की जा रही अपाचे बाइक भी जब्त की है पुलिस के अनुसार सोमवार को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति सफेद रंग की अपाचे मोटरसाइकिल से बैग और झोलों में बड़ी मात्रा में अवैध शराब लेकर मिर्जापुर (उत्तरप्रदेश) से मऊगंज की ओर आ रहा है सूचना के आधार पर हनुमना पुलिस टीम ने हाईवे रोड मसुरिहा के पास घेराबंदी कर संदिग्ध बाइक सवार को रोककर तलाशी ली तलाशी के दौरान बाइक पर रखी 6 पेटियों से 63 लीटर देशी शराब बरामद हुई। जब्त शराब की कीमत करीब 25 हजार 200 रुपए और बाइक की कीमत लगभग 1 लाख 20 हजार रुपए बताई गई है पुलिस ने कुल 1 लाख 45 हजार 200 रुपए का सामान जब्त किया है आरोपी की पहचान राजबहोर पटेल (50), निवासी ग्राम देवरा, थाना शाहपुर, जिला मऊगंज के रूप में हुई पुलिस ने उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है पुलिस का कहना है कि अवैध शराब कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

अंबेडकर चौराहे पर फिर मारपीट: व्यापारियों में नाराजगी, पुलिस व्यवस्था पर उठे सवाल

मीडिया ऑडीटर,सिंगरौली (निप्र)। बैढ़न थाना क्षेत्र के प्रमुख अंबेडकर चौराहे पर सोमवार को एक बार फिर मारपीट की घटना सामने आई दो लोगों के बीच शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते हाथापाई में बदल गया घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद शहर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं अंबेडकर चौराहा शहर के व्यस्ततम इलाकों में शामिल है यहां हुई मारपीट की घटना के दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई हालांकि मारपीट करने वाले व्यक्तियों की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है स्थानीय लोगों का कहना है कि अंबेडकर चौराहे पर इस तरह की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं इससे पहले रविवार को भी एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें एक नाबालिग द्वारा एक अधेड़ व्यक्ति से मारपीट करने का मामला सामने आया था लगातार हो रही घटनाओं से क्षेत्र के व्यापारी और राहगीर खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

शराब दुकान को लेकर व्यापारियों में नाराजगी: अंबेडकर चौराहे पर कपड़े की दुकान संचालित करने वाले व्यापारी राजेंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि चौराहे के पास स्थित शराब दुकान के कारण आए दिन नशे की हालत में विवाद और मारपीट की स्थिति बनती रहती है उन्होंने कहा कि इससे दुकानदारों के साथ-साथ ग्राहकों और राहगीरों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है स्थानीय व्यापारियों का आरोप है कि चौराहे पर पुलिस चेक प्वाइंट होने के बावजूद सोमवार की घटना के दौरान पुलिसकर्मी समय पर मौके पर नहीं पहुंचे उनका कहना है कि यदि पुलिस तत्काल पहुंचती तो विवाद को बढ़ने से रोका जा सकता था इस मामले में बैढ़न थाना प्रभारी अशोक सिंह परिहार ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी नहीं मिली है उन्होंने कहा कि यदि किसी भी पक्ष की ओर से शिकायत प्राप्त होती है तो मामले की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी लगातार सामने आ रही घटनाओं के बाद स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों ने अंबेडकर चौराहे पर नियमित पुलिस गश्त बढ़ाने, असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

स्टार ऑफ द मंथ' सम्मान से नवाजे गए उत्कृष्ट अधिकारी और कर्मचारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला प्रशासन में उत्कृष्ट कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने और बेहतर सेवाओं के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से शुरू की गई 'स्टार ऑफ द मंथ' पहल के तहत सोमवार को उत्कृष्ट अधिकारी एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया गया जिला पंचायत सभागार में आयोजित समय-सीमा बैठक के दौरान कलेक्टर विकास मिश्रा ने चयनित अधिकारी एवं कर्मचारियों को 'उत्कृष्टता पुरस्कार' प्रदान किए इस माह उत्कृष्ट कार्य के लिए जिला कोषालय सीधी के सहायक कोषालय अधिकारी अमित कुमार चतुर्वेदी और कार्यालय कलेक्टर सीधी के सहायक वर्ग-3 एवं स्थापना लिपिक शिवकुमार सिंह को सम्मानित किया गया कलेक्टर ने दोनों अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके बेहतर कार्य निष्पादन, अनुकरणीय सेवा-भाव और प्रशासनिक योगदान के लिए प्रशस्ति प्रदान की।

समयबद्ध और पारदर्शी कार्य के लिए अमित चतुर्वेदी सम्मानित: सहायक कोषालय अधिकारी अमित कुमार चतुर्वेदी ने स्थापना से जुड़े विभिन्न कार्यों का समय-सीमा में पारदर्शी और दक्षतापूर्ण तरीके से निष्पादन किया प्रशासनिक कार्यों में उनकी कार्यकुशलता और जिम्मेदारीपूर्ण भूमिका को देखते हुए उन्हें 'स्टार ऑफ द मंथ' के लिए चयनित किया गया उनके द्वारा किए गए कार्यों से कार्यालयीन व्यवस्थाओं को अधिक प्रभावी बनाने में सहायता मिली और लंबित कार्यों के निराकरण में भी गति आई। कार्यालय कलेक्टर सीधी में सहायक वर्ग-3 एवं स्थापना लिपिक के पद पर पदस्थ शिवकुमार सिंह ने स्थापना संबंधी कार्यों का सुव्यवस्थित और उत्तरदायित्वपूर्ण ढंग से निर्वहन किया उनके कार्यों में दक्षता, अनुशासन और समयबद्धता को देखते हुए उन्हें उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया उनके प्रयासों से कार्यालय की कार्यप्रणाली को अधिक व्यवस्थित और प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण योगदान मिला इस अवसर पर कलेक्टर विकास मिश्रा ने कहा कि जिला प्रशासन में बेहतर कार्य करने वाले अधिकारी एवं कर्मचारियों को पहचान और सम्मान देना आवश्यक है। 'स्टार ऑफ द मंथ' पहल का उद्देश्य कर्मचारियों में कार्यकुशलता, पारदर्शिता, जवाबदेही और सेवा भावना को बढ़ावा देना है।

करहिया में बिजली कनेक्शन का बड़ा खेल? किसान योजना का ट्रांसफार्मर, आरडीएसएस के खंभे और कथित अवैध प्लॉटिंग तक पहुंची सुविधा!

अधिकारियों के बदले बयान से बढ़ा सस्पेंस, ग्रामीण बोले—किसानों को अंधेरे में रख भू-माफिया को रोशनी क्यों?

मीडिया ऑडीटर,रीवा (निप्र)। करहिया क्षेत्र में बिजली विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर उठे सवाल अब बड़े विवाद का रूप लेते जा रहे हैं। किसानों और ग्रामीण उपभोक्ताओं के हित में स्वीकृत किसान योजना के ट्रांसफार्मर तथा आरडीएसएस (ऋड्डस्स्) योजना के तहत लगाए गए बिजली खंभों और लाइन को लेकर ऐसा मामला सामने आया है जिसने विभागीय जवाबदेही और सरकारी योजनाओं की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं आरोप है कि सरकारी योजनाओं के तहत तैयार की गई विद्युत अधोसंरचना का लाभ कथित रूप से निजी एवं अवैध प्लॉटिंग क्षेत्र तक पहुंचाया गया। स्थानीय लोगों का दावा है कि करहिया में स्थापित 25 केवीए ट्रांसफार्मर कृषि उपयोग के लिए स्वीकृत हुआ था। वहीं आरडीएसएस योजना के तहत लगाए गए खंभों और लाइन का उद्देश्य ग्रामीण विद्युत व्यवस्था को मजबूत करना था लेकिन अब इन्हीं संसाधनों के जरिए कथित रूप से निजी प्लॉटिंग क्षेत्र तक बिजली पहुंचाने की चर्चा ने पूरे इलाके में हलचल मचा दी है। मामला तब और उलझ गया जब जिम्मेदार अधिकारियों के बयान सामने आए ग्रामीण वितरण संभाग (डी ग्रामीण) के अधिकारी ने पहले कहा कि संबंधित क्षेत्र उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता बाद में उन्होंने यह भी कहा कि संबंधित लाइन काट दी गई है तथा वहां लगा पोल कंपनी का है वह वहां कैसे लगा इसकी जानकारी कंपनी ही दे सकती है दूसरी ओर शहर क्षेत्र के बिजली विभाग के इंजीनियर ने साफ कहा कि यह उनका क्षेत्र नहीं है और संबंधित मामला ग्रामीण क्षेत्र की योजना से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि इस बारे में पूरी जानकारी ग्रामीण वितरण संभाग ही दे सकता है।अब सवाल यह है कि जब दोनों विभाग एक-दूसरे की ओर जिम्मेदारी बढ़ा रहे हैं तो आखिर करहिया में लगाए गए खंभे, लाइन और ट्रांसफार्मर की जवाबदेही किसकी है?

PM मोदी ने सीधी के जल संरक्षण मॉडल की सराहना: 'कैच द रेन' अभियान में 1500 खेत तालाब बने मिसाल, मन की बात में किया उल्लेख

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जल संरक्षण के क्षेत्र में सीधी जिले द्वारा किए जा रहे प्रयासों को देशभर में पहचान मिली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 136वें एपिसोड में सीधी जिले के जल संरक्षण कार्यों का उल्लेख करते हुए जिले की जनभागीदारी आधारित पहल की सराहना की। उन्होंने 'कैच द रेन' अभियान को जन आंदोलन बताते हुए सीधी में बनाए गए करीब 1,500 खेत तालाबों को इस अभियान की सफलता का उदाहरण बताया प्रधानमंत्री ने कहा कि जल संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें समाज की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने वर्षा जल संचयन, भूजल स्तर बढ़ाने, पुराने जल स्रोतों के पुनर्जीवन और पौधारोपण जैसे कार्यों में लोगों की सहभागिता को अभियान की सबसे बड़ी ताकत बताया।

सीधी में 12,983 जल संरक्षण कार्य पूरे: सीधी जिले में जल संरक्षण को लेकर व्यापक स्तर पर कार्य किए गए हैं जिले में अब तक कुल 12,983 जल संरक्षण कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं इनमें बड़ी संख्या में नए खेत तालाबों का निर्माण, पुराने तालाबों और जल स्रोतों का जीर्णोद्धार तथा वर्षा जल को संरक्षित करने से जुड़े कार्य शामिल हैं जिले में बनाए गए 1,489 नए खेत तालाब किसानों के लिए विशेष लाभकारी साबित हो रहे हैं। इनसे जहां बारिश के पानी का संरक्षण हो रहा है, वहीं किसानों को सिंचाई के लिए अतिरिक्त जल स्रोत भी उपलब्ध हो रहे हैं। इससे कृषि उत्पादन बढ़ाने और जल संकट कम करने में मदद मिल रही है।

नदियों और जल स्रोतों के संरक्षण के लिए भी प्रयास: सीधी जिले में जल संरक्षण अभियान के तहत स्थानीय स्तर पर नदियों और जल स्रोतों के संरक्षण के लिए भी कई पहल की गई हैं सोन, गोपद और बनास नदियों के संरक्षण एवं सफाई को लेकर ग्रामीणों और विभिन्न संगठनों द्वारा अभियान चलाए गए हैं इन प्रयासों का उद्देश्य केवल जल उपलब्धता बढ़ाना नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों को सुरक्षित रखना भी है जल संरक्षण के इन कार्यों में ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी ने अभियान को मजबूती प्रदान की है।

पंचायतों से लेकर किसानों तक की रही भागीदारी: सीधी जिले का जल संरक्षण मॉडल केवल प्रशासनिक प्रयासों तक सीमित नहीं रहा इसमें ग्राम पंचायतों, किसानों, स्वयंसेवी संगठनों और आम ग्रामीणों ने सक्रिय भूमिका निभाई गांव-गांव में लोगों ने जल संरक्षण के महत्व को समझते हुए श्रमदान और सहयोग के माध्यम से तालाब निर्माण एवं अन्य कार्यों में भागीदारी की सामूहिक प्रयासों के कारण जिले में जल संरक्षण अभियान को व्यापक जनसमर्थन मिला और यह एक सफल मॉडल के रूप में सामने आया जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैलेंद्र सोलंकी ने प्रधानमंत्री द्वारा सीधी जिले का उल्लेख किए जाने को जिले के लिए गौरव का विषय बताया उन्होंने कहा कि जनभागीदारी पर आधारित सीधी का जल संरक्षण मॉडल अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणादायक बन सकता है उन्होंने कहा कि जिले में जल संरक्षण को लेकर किए जा रहे कार्यों को आगे भी गति दी जाएगी ताकि अधिक से अधिक ग्रामीण क्षेत्रों में जल उपलब्धता सुनिश्चित हो सके और किसानों को इसका लाभ मिल सके।

प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम में सीधी जिले का नाम आने के बाद ग्रामीणों और प्रशासन में उत्साह का माहौल है स्थानीय लोगों ने इसे जल संरक्षण के लिए किए गए सामूहिक प्रयासों का सम्मान बताया प्रशासन का कहना है कि प्रधानमंत्री द्वारा सराहना मिलने से जिले में जल संरक्षण के कार्यों को और बढ़ावा मिलेगा। आने वाले समय में अधिक संख्या में जल संरचनाओं के निर्माण, पुराने जल स्रोतों के संरक्षण और जनभागीदारी बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

चित्रकूट में बीच सड़क हुक्का-शराब पार्टी, युवकों ने मचाया हुड़दंग

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। धार्मिक नगरी चित्रकूट में रविवार रात बीच सड़क पर जन्मदिन के नाम पर हुक्का पार्टी और शराबखोरी का मामला सामने आया है दिल्ली नंबर की कार से पहुंचे करीब आधा दर्जन युवकों ने नगर परिषद कार्यालय के सामने सड़क पर हुक्का रखकर तेज संगीत पर डांस किया प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवकों ने मौके पर शराब का सेवन भी किया। सार्वजनिक स्थान पर इस तरह की गतिविधि देखकर श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों में नाराजगी फैल गई लोगों ने जब इसका विरोध किया तो युवकों और स्थानीय लोगों के बीच बहस हुई, जिसके बाद सभी युवक कार में बैठकर मौके से फरार हो गए घटना का वीडियो भी सामने आया है जिसमें युवक सड़क पर हुक्का पीते और हुड़दंग करते नजर आ रहे हैं। कार में बीयर की केन रखे होने की बात भी सामने आई है स्थानीय लोगों ने कहा कि चित्रकूट एक धार्मिक और आध्यात्मिक नगरी है जहां देशभर से श्रद्धालु आते हैं ऐसे स्थान पर सार्वजनिक रूप से शराब और हुक्का पार्टी करना धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है लोगों ने प्रशासन से युवकों की पहचान कर कार्रवाई करने और धार्मिक क्षेत्र में निगरानी बढ़ाने की मांग की है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

छोटे परिवार, बड़े संकट

संपादकीय

सुरक्षा कवच था संयुक्त कुनबे का संबल

देश के बहुचर्चित 'हनीमून मर्डर' केस की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच ने आधुनिक जीवनशैली से पारिवारिक विघटन पर जो गंभीर टिप्पणी की, मानो उसने भारतीय समाज की दुखती रग पर हाथ रख दिया। सोनम रघुवंशी मामले में मेघालय सरकार की याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी.बी. वराले की बेंच ने गंभीर टिप्पणी की कि आज पति-पत्नी के रिश्तों में भरोसा कम हो रहा है। पहले संयुक्त परिवार रिश्तों को संभालते थे। संयुक्त परिवार इंसान को निराशा सहना और एडजस्ट करना सिखाते थे। लेकिन आज छोटे परिवारों की व्यवस्था के कारण पुरुषों व महिलाओं में डिप्रेशन बढ़ रहा है। लोग छोटी-छोटी बातों में चिढ़ने लगते हैं। गैजेट्स की लत ने इस संकट को और बढ़ाया है। जस्टिस सुंदरेश ने तो यहां तक कहा कि आज बच्चा किसी बात पर जरा रो दे, माता-पिता उसे मोबाइल थमा देते हैं। निस्संदेह, भावनाओं का विकल्प कभी गैजेट्स नहीं हो सकते। धीरे-धीरे बच्चों को इस मोबाइल की लत लग जाती है। उनकी एकाग्रता भंग होने लगती है। भले ही अदालत के समक्ष एक संगीन अपराध का मामला था, लेकिन उसने उस गंभीर संकट के मर्म पर चोट की है, जिससे आए दिन परिवार बिखराव की दहलीज पर खड़े नजर आते हैं। विडंबना देखिए कि जिस भारतीय समाज में 'तलाक' के लिये कोई शब्द ही नहीं था, वहां अदालतों में रिश्तों को तोड़ने वालों की भीड़ लगी है। यहां तक कि एक बार अदालत को कहना पड़ा कि पारिवारिक झगड़ों के कारण महत्वपूर्ण कानूनी मामलों पर दबाव बढ़ रहा है। एक समय था कि पश्चिमी जगत में भारतीय परिवार संस्था की सार्थकता व समृद्ध परंपराओं की दुहाई दी जाती थी। लेकिन आज उसी भारत ने पश्चिमी समाज का अंधानुकरण करके एकल परिवार को जीवन का लक्ष्य बना लिया है। जिसके चलते लाखों परिवार संक्रमणकालीन दौर से गुजर रहे हैं। जिससे पारिवारिक संस्था संकटों से जूझ रही है। हाल के दिनों में विवाह से ठीक पहले और विवाह के ठीक बाद के, कई वीभत्स हत्याकांड सामने आए हैं, जिन्होंने हर संवेदनशील व्यक्ति को झकझोरा है। निर्मम हत्या करने वाली महिला के पति व मंगेतरों के पास प्रतिष्ठा, अचल संपत्ति व बैंक बैलेंस की कोई कमी नहीं थी। निस्संदेह, धन-सपंदा व भारी चमक-दमक से जीवन का सुख नहीं खरीदा जा सकता। संत कबीरदास ने सदियों पहले कह दिया था किज जब आए संतोष धन सब धन धूरि समान। तभी तो तमाम समृद्धि व विलासिता के साधनों के बावजूद लोग खुश नहीं हैं। ऐसे में घातक कदम उठाने वाले महिलाओं व पुरुषों की परवरिश में भी कहीं न कहीं कोई कमी जरूर रह गई है। पहले साझे परिवारों में दादा-दादी या नाना-नानी, अपने जीवन के कठिन अनुभवों व नफे-नुकसान से हासिल ज्ञान से बेटे-बेटियों व पोते-पोतियों को सीख देते थे। जीवन मूल्यों की कहानियां सुनाया करते थे। संयुक्त परिवार में माता-पिता को किसी अप्रत्याशित झटके झेलने वाला सुरक्षा कवच माना जाता था। दुख-दर्द का मुकाबला साझे रूप में करने से वह कम महसूस होता था।

नीट आंदोलन ने छात्र शक्ति का नया अध्याय लिखा

सौरभ वार्ष्णेय

देश के लोकतांत्रिक इतिहास में समय-समय पर ऐसे जनआंदोलन हुए हैं, जिन्होंने सत्ता को जनता की आवाज़ सुनने के लिए विवश किया। कभी किसानों का आंदोलन, कभी भ्रष्टाचार विरोधी जनआंदोलन और अब नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक तथा परीक्षा प्रणाली में अनियमितताओं के विरुद्ध छात्रों का आंदोलन–इन घटनाओं ने एक बार फिर यह सिद्ध किया है कि लोकतंत्र में संगठित, शांतिपूर्ण और उद्देश्यपूर्ण जनशक्ति किसी भी सरकार से अधिक प्रभावशाली हो सकती है। यही कारण है कि आज यह कहावत फिर प्रासंगिक प्रतीत होती है– 'झुकती है दुनिया, झुकाने वाला चाहिए। 'नीट परीक्षा देश के लाखों विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ी सबसे महत्वपूर्ण परीक्षाओं में से एक है। ऐसे में यदि परीक्षा की निष्पक्षता और विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लग जाए, तो यह केवल एक परीक्षा का संकट नहीं, बल्कि पूरी शिक्षा व्यवस्था की साख पर आघात होता है। वर्षों की कठिन मेहनत के बाद जब छात्रों को यह महसूस हो कि उनकी सफलता योग्यता के बजाय व्यवस्था की खामियों पर निर्भर हो सकती है, तो उनका आक्रोश स्वाभाविक है। इसी पीड़ा ने देशभर के छात्रों को एक मंच पर ला खड़ा किया। सोशल मीडिया के माध्यम से संगठित हुए युवाओं ने जंतर-मंतर सहित विभिन्न स्थानों पर लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज़ बुलंद की। यह आंदोलन किसी एक राजनीतिक दल के नेतृत्व में नहीं, बल्कि छात्रों और जागरूक नागरिकों की सामूहिक भागीदारी से आगे बढ़ा। इसने यह भी सिद्ध किया कि आज का युवा केवल डिजिटल प्लेटफॉर्म तक सीमित नहीं है, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर संविधानसम्मत तरीके से सड़क पर उतरकर भी अपने अधिकारों की रक्षा करना जानता है। लगातार बढ़ते जनदबाव के बीच सरकार को शिक्षा व्यवस्था से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लेने पड़े। शिक्षा मंत्री का इस्तीफा, परीक्षा प्रणाली में सुधार के संकेत और पारदर्शिता को लेकर बढ़ी गंभीरता–इन घटनाओं को व्यापक स्तर पर छात्र आंदोलन की नैतिक सफलता के रूप में देखा गया। इससे यह संदेश स्पष्ट हुआ कि लोकतंत्र में सत्ता अंततः जनता की आवाज़ के प्रति जवाबदेह होती है। यदि आंदोलन तथ्यों, अनुशासन और लोकतांत्रिक मर्यादाओं के साथ संचालित हो, तो सबसे मजबूत सरकारों को भी अपने निर्णयों पर पुनर्विचार करना पड़ता है। यह आंदोलन एक और महत्वपूर्ण संदेश देता है। छात्रों को केवल भविष्य के मतदाता या राजनीतिक भीड़ के रूप में देखना बड़ी भूल होगी। भारतीय इतिहास इस बात का साक्षी है कि स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर जेपी आंदोलन तक छात्र शक्ति ने परिवर्तन की दिशा तय करने में निर्णायक भूमिका निभाई है। आज भी युवा केवल अपने व्यक्तिगत भविष्य के लिए नहीं, बल्कि व्यवस्था में पारदर्शिता और न्याय की स्थापना के लिए संघर्ष कर रहे हैं। हालाँकि, यह भी उतना ही आवश्यक है कि छात्र आंदोलनों का उद्देश्य राजनीतिक लाभ नहीं, बल्कि व्यवस्था में सुधार हो। यदि किसी आंदोलन का केंद्र शिक्षा, पारदर्शिता और समान अवसर के बजाय राजनीतिक ध्रुवीकरण बन जाए, तो उसका मूल उद्देश्य कमजोर पड़ जाता है। इसलिए सरकार, विपक्ष, न्यायपालिका और समाज–सभी की साझा जिम्मेदारी है कि परीक्षा प्रणाली को इतना मजबूत बनाया जाए कि पेपर लीक, नकल माफिया और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं की पुनरावृत्ति न हो। नीट विवाद ने यह स्पष्ट कर दिया है कि केवल दोषियों की गिरफ्तारी पर्याप्त नहीं है। परीक्षा संचालन की पूरी व्यवस्था में तकनीकी सुधार, डिजिटल सुरक्षा, संस्थागत जवाबदेही, समयबद्ध जांच और कठोर दंड व्यवस्था लागू करना समय की आवश्यकता है। लाखों छात्रों का भविष्य किसी प्रशासनिक लापरवाही या संगठित अपराध की भेंट नहीं चढ़ सकता।

12 वर्षों बाद छात्र आंदोलन के आगे झुकती सरकार?

इस आंदोलन को लेकर यह धारणा भी सामने आई कि लंबे समय बाद केंद्र सरकार को छात्रों के बढ़ते दबाव के बीच कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लेने पड़े। यदि किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता, विशेषकर छात्र समुदाय, लगातार किसी मुद्दे पर अपनी चिंता व्यक्त करता है, तो सरकार का दायित्व केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखना नहीं, बल्कि संवाद स्थापित कर समाधान खोजना भी होता है। लोकतंत्र की सफलता इसी में है कि सरकार और नागरिक टकराव नहीं, बल्कि संवाद के माध्यम से समाधान तक पहुँचें।यह भी उतना ही आवश्यक है कि जनआंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण और संविधानसम्मत रहें।

जब नारों में गालियाँ उतर आएँ

डॉ. प्रियंका सौरभ

लोकतंत्र की सबसे सुंदर पहचान यह है कि यहाँ असहमति को अपराध नहीं माना जाता। यहाँ प्रश्न पूछना विद्रोह नहीं, बल्कि जागरूक नागरिक होने का प्रमाण है। सड़कों पर उतरकर अपनी बात कहना, सत्ता से जवाब माँगना और अन्याय के विरुद्ध आवाज़ उठाना लोकतंत्र की आत्मा है। लेकिन वही आत्मा तब घायल होने लगती है जब नारों में विचारों की जगह गालियाँ उतर आती हैं, जब विरोध का स्वर मर्यादा छोड़कर अपमान का रूप धारण कर लेता है और जब क्रांति की भाषा सभ्यता से विमुख होकर कटुता की भाषा बन जाती है। नारा केवल कुछ शब्दों का समूह नहीं होता। वह किसी आंदोलन का चेहरा होता है, उसकी आत्मा का स्वर होता है। आने वाली पीढ़ियाँ आंदोलनों को उनके नारों से याद करती हैं। 'इंकलाब ज़िंदाबाद ', 'करो या मरो ', 'जय जवान, जय किसान' जैसे नारे इसलिए अमर हुए क्योंकि उनमें किसी व्यक्ति का अपमान नहीं था, बल्कि एक विचार, एक संकल्प और एक युग की पुकार थी। शब्द जब उद्देश्य से जुड़ते हैं तो इतिहास बनते हैं, और जब वे केवल अपमान का माध्यम बन जाते हैं तो क्षणिक शोर से अधिक कुछ नहीं रह जाते।

आज का समय शोर का समय है। सोशल मीडिया ने हर आवाज़ को मंच दिया है, लेकिन साथ ही हर उत्तेजना को भी विस्तार दिया है। अब जो सबसे अधिक तीखा बोलता है, वही सबसे अधिक सुना जाता है। संयम को कमजोरी और शालीनता को निष्क्रियता समझने की भूल बढ़ती जा रही है। यही कारण है कि कई आंदोलनों में तर्कों की जगह ताने, संवाद की जगह व्यंग्य और विरोध की जगह गालियाँ सुनाई देने लगी हैं। यह केवल भाषा का पतन नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्कारों का क्षरण है। गाली कभी भी विचार का विकल्प नहीं हो सकती। जिसके पास तर्क समाप्त हो जाते हैं, वह अक्सर अपशब्दों का सहारा लेता है। विचारों की लड़ाई में भाषा जितनी ऊँची होगी, आंदोलन उतना ही ऊँचा उठेगा। लेकिन यदि भाषा ही गिर जाए तो सबसे बड़ा उद्देश्य भी अपनी गरिमा खो देता है। किसी भी आंदोलन की नैतिक शक्ति उसके नारों की ऊँचाई से नहीं, बल्कि उसकी भाषा की गरिमा से मापी जाती है। भारतीय सभ्यता ने वाणी को तप कहा है। हमारे ऋषियों ने कहा कि शब्द बाण भी बन सकते हैं और मरहम भी। वे समाज को जोड़ भी सकते हैं और तोड़ भी सकते हैं। इसलिए वाणी पर संयम को चरित्र का आभूषण माना गया। राजनीति यदि समाज का दर्पण है तो आंदोलनों की भाषा उस दर्पण का प्रतिबिंब है। यदि प्रतिबिंब में केवल कटुता दिखाई दे रही है, तो यह केवल आंदोलन की नहीं, पूरे समाज की चिंता है। यह भी सत्य है कि हर आंदोलन में हजारों-लाखों लोग होते हैं। कुछ व्यक्तियों के अनुचित व्यवहार से पूरे आंदोलन का मूल्यांकन उचित नहीं होगा। किंतु नेतृत्व की परीक्षा भी ऐसे ही क्षणों में होती है। भीड़ को दिशा देना केवल मंच से भाषण देने का कार्य नहीं, बल्कि उसकी भाषा को मर्यादित रखना भी नेतृत्व की जिम्मेदारी है। जो नेतृत्व अपमानजनक नारों पर मौन रहता है, वह अनजाने में उन्हें स्वीकार भी कर लेता है।

इतिहास बताता है कि सबसे प्रभावशाली आंदोलनों ने अपने विरोधियों को भी गरिमा से संबोधित किया। महात्मा गांधी का संघर्ष ब्रिटिश शासन के विरुद्ध था, ब्रिटिश जनता के विरुद्ध नहीं। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने तीखे मतभेदों के बावजूद संवैधानिक भाषा नहीं छोड़ी। लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने व्यवस्था परिवर्तन की बात की, व्यक्तियों के अपमान की नहीं। यही कारण है कि उनके आंदोलनों की स्मृति सम्मान के साथ जीवित है। आज आवश्यकता केवल सरकारों को बदलने की नहीं, बल्कि सार्वजनिक संवाद की भाषा को बचाने की है। लोकतंत्र संसद में जितना जीवित रहता है, उतना ही सड़कों पर भी साँस लेता है। यदि सड़क पर संवाद मर जाएगा, तो संसद की बहसें भी खोखली हो जाएँगी। यदि विरोध का अर्थ केवल अपमान रह जाएगा, तो सहमति की कोई संभावना नहीं बचेगी। लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूँजी संवाद है, और संवाद की पहली शर्त है–सम्मान। हमें यह भी समझना होगा कि बच्चे और युवा केवल पुस्तकों से नहीं, समाज से भी सीखते हैं। जब वे टीवी और मोबाइल की स्क्रीन पर आंदोलनों में गालियाँ सुनते हैं, तो उनके मन में यह धारणा बनती है कि शायद यही संघर्ष की भाषा है। यह लोकतंत्र की अगली पीढ़ी के लिए सबसे बड़ा खतरा है। यदि हम उन्हें विचारों की संस्कृति नहीं देंगे, तो वे शोर की संस्कृति को ही सामान्य मान बैठेंगे।

लोकतंत्र किसी की जीत और किसी की हार का नाम नहीं है। यह मतभेदों के बीच सह-अस्तित्व की कला है। यहाँ विरोधी शत्रु नहीं होता, केवल वैचारिक प्रतिद्वंद्वी होता है। इसलिए शब्दों की मर्यादा केवल भाषाई शिष्टाचार नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक परिपक्वता का प्रमाण है।

समय आ गया है कि हम अपने आंदोलनों को फिर से उनकी मूल आत्मा लौटाएँ। नारे ऐसे हों जिनमें विचार की चमक हो, आक्रोश हो तो भी संयम के साथ हो, असहमति हो तो भी सम्मान के साथ हो। क्योंकि इतिहास यह नहीं याद रखता कि किसने सबसे ऊँची आवाज़ में गाली दी थी; इतिहास उसे याद रखता है जिसने सबसे कठिन समय में भी अपनी भाषा की गरिमा बचाए रखी। लोकतंत्र तलवार की धार पर नहीं, शब्दों की विश्वसनीयता पर चलता है। यदि शब्द घायल हो जाएँ, तो संस्थाएँ भी देर तक सुरक्षित नहीं रह सकतीं। इसलिए जब अगली बार कोई आंदोलन सड़क पर उतरे, तो उसके हाथों में तख्तियाँ हों, आँखों में उम्मीद हो, आवाज़ में दृढ़ता हो–पर शब्दों में मर्यादा अवश्य हो। क्योंकि विचारों की विजय अपमान से नहीं, संवाद से होती है; और लोकतंत्र की सबसे ऊँची आवाज़ वही है जिसमें असहमति तो हो, लेकिन अमर्यादा न हो।

स्वस्थ भोजन हर नागरिक का अधिकार

कांतिलाल मांडोत

भोजन केवल पेट भरने का साधन नहीं बल्कि स्वस्थ जीवन की सबसे बड़ी आवश्यकता है। जिस समाज के लोगों को संतुलित और पौष्टिक भोजन नहीं मिलता वहां बीमारियां बढ़ती हैं, बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास प्रभावित होता है और देश की कार्यक्षमता भी कमजोर पड़ती है। संयुक्त राष्ट्र की स्टेट ऑफ फूड सिक्योरिटी एंड न्यूट्रिशन इन द वर्ल्ड (एसओएफआई) 2026 रिपोर्ट ने एक गंभीर चिंता सामने रखी है कि भारत में लगभग 52 करोड़ लोग ऐसे हैं जिनकी पहुंच आज भी नियमित रूप से पौष्टिक और संतुलित आहार तक नहीं है। यह स्थिति तब है जब देश ने पिछले वर्षों में कुपोषण कम करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। इसका अर्थ यह है कि समस्या केवल भोजन की उपलब्धता की नहीं बल्कि गुणवत्तापूर्ण भोजन की भी है।

आज बाजार में फल, सब्जियां, दूध, दालें, अंडे, मेवे और अन्य प्रोटीनयुक्त खाद्य पदार्थों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। सीमित आय वाले परिवारों के लिए रोजाना संतुलित भोजन जुटाना आसान नहीं रह गया है। कई परिवार पेट भरने के लिए सस्ता भोजन तो खरीद लेते हैं लेकिन उसमें आवश्यक पोषक तत्वों की कमी होती है। इसका असर सबसे पहले बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों पर दिखाई देता है। शरीर को पर्याप्त प्रोटीन, विटामिन, खनिज और अन्य पोषक तत्व नहीं मिलते तो प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है और कई बीमारियां घर कर लेती हैं।

यह सच है कि पहले की तुलना में देश में कुपोषण की स्थिति में काफी सुधार आया है। सरकारी योजनाओं, आंगनबाड़ी सेवाओं, मध्याह्न भोजन योजना और जनजागरूकता के कारण लाखों परिवारों तक बेहतर पोषण पहुंचा है। लेकिन चुनौती अभी समाप्त नहीं हुई है। आज भी अनेक लोग आर्थिक मजबूरी के कारण पौष्टिक भोजन से दूर हैं। यही कारण है कि एक ओर कुपोषण की समस्या बनी हुई है तो दूसरी ओर मोटापा और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां भी तेजी से बढ़ रही हैं। इसका कारण यह है कि लोग सस्ता और तला-भुना या अत्यधिक प्रसंस्कृत भोजन अधिक खाने लगे हैं, जिसमें स्वाद तो होता है लेकिन पोषण कम होता है।

आज का सबसे बड़ा संकट केवल महंगाई नहीं बल्कि भोजन की गुणवत्ता भी है। बाजार में मिलावटी खाद्य पदार्थों की भरमार चिंता बढ़ाने वाली है। दूध में मिलावट, मसालों में नकली रंग, मिठाइयों में घटिया सामग्री, नकली घी, मिलावटी तेल, रसायनों से पकाए गए फल और सब्जियां तथा खराब गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थ लोगों के स्वास्थ्य के साथ खुला खिलवाड़ कर रहे हैं। उपभोक्ता पैसे खर्च करके भी शुद्ध भोजन नहीं खरीद पा रहा है। यह स्थिति किसी भी सभ्य समाज के लिए उचित नहीं कही जा सकती। बाहर का भोजन भी लोगों की सेहत पर भारी पड़ रहा है। भागदौड़ भरी जिंदगी में फास्ट फूड और पैकेज्ड खाद्य पदार्थों का चलन तेजी से बढ़ा है। इन खाद्य पदार्थों में अधिक मात्रा में नमक, चीनी और वसा होती है। स्वाद के लिए लोग इन्हें पसंद तो करते हैं लेकिन धीरे-धीरे यही भोजन मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग जैसी गंभीर समस्याओं को जन्म देता है। विशेष रूप से युवाओं और बच्चों में यह प्रवृत्ति चिंता का विषय बनती जा रही है।

दरअसल, स्वस्थ रहने के लिए महंगे भोजन की नहीं बल्कि संतुलित भोजन की आवश्यकता होती है। दालें, मौसमी सब्जियां, मोटे अनाज, दूध, दही, अंकुरित अनाज और स्थानीय फल अपेक्षाकृत कम खर्च में भी अच्छा पोषण दे सकते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि लोग खानपान के प्रति जागरूक हों और जितनी क्षमता हो, उसके अनुसार पौष्टिक भोजन को प्राथमिकता दें। कम मात्रा में सही भोजन लेना, अधिक मात्रा में अस्वस्थ भोजन खाने से कहीं बेहतर है।

सरकार की जिम्मेदारी है कि गरीब और मध्यम वर्ग तक पौष्टिक भोजन सुलभ कीमत पर पहुंचे। सार्वजनिक वितरण प्रणाली को और मजबूत बनाने, पोषण योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करने, खाद्य पदार्थों की कीमतों पर नियंत्रण रखने और किसानों को उचित समर्थन देने की आवश्यकता है। यदि उत्पादन बढ़ेगा और आपूर्ति व्यवस्था मजबूत होगी तो कीमतों पर भी सकारात्मक असर पड़ेगा। लेकिन केवल सरकार से अपेक्षा करना पर्याप्त नहीं है। समाज, उद्योग और बाजार की भी बड़ी जिम्मेदारी है। खाद्य व्यापार से जुड़े लोगों को यह समझना होगा कि भोजन केवल व्यापार की वस्तु नहीं बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन और स्वास्थ्य से जुड़ा विषय है। कुछ अतिरिक्त मुनाफे के लिए मिलावट करना, नकली सामग्री बेचना या घटिया गुणवत्ता का सामान बाजार में उतारना केवल कानून का उल्लंघन नहीं बल्कि मानवता के साथ विश्वासघात है। जिस भोजन से लोगों का शरीर बनता है, उसी में जहर घोलना सबसे बड़ा अपराध माना जाना चाहिए।

बाजार को आत्मचिंतन करना होगा। व्यापार का उद्देश्य लाभ कमाना अवश्य है, लेकिन लाभ का अर्थ लोगों के स्वास्थ्य से समझौता करना नहीं हो सकता। खाद्य उत्पाद बनाने वाली कंपनियां, डेयरी उद्योग, मिठाई विक्रेता, होटल, रेस्तरां और किराना व्यापारी सभी को गुणवत्ता और शुद्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। यदि उपभोक्ता का विश्वास टूट गया तो बाजार की विश्वसनीयता भी समाप्त हो जाएगी। इसलिए ईमानदारी से शुद्ध और सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना प्रत्येक व्यापारी का नैतिक दायित्व है।

उपभोक्ताओं को भी सजग रहना होगा। बिना जांचे-परखे सस्ते उत्पाद खरीदने के बजाय गुणवत्ता को महत्व देना चाहिए। घर का ताजा भोजन, मौसमी फल-सब्जियां और संतुलित आहार अपनाने की आदत स्वास्थ्य की सबसे बड़ी सुरक्षा है। बच्चों में भी बचपन से पौष्टिक भोजन की आदत विकसित करनी होगी ताकि आने वाली पीढ़ी स्वस्थ और सक्षम बन सके।

भारत ने कुपोषण कम करने की दिशा में निश्चित रूप से महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। यह सकारात्मक संकेत है कि पहले जैसी भयावह स्थिति अब नहीं रही। लेकिन जब तक देश का प्रत्येक नागरिक पौष्टिक, सुरक्षित और शुद्ध भोजन प्राप्त करने में सक्षम नहीं होगा, तब तक विकास की यात्रा अधूरी रहेगी। स्वस्थ नागरिक ही मजबूत राष्ट्र की नींव होते हैं।

समय की मांग है कि सरकार, समाज, किसान, उद्योग और बाजार सभी मिलकर यह संकल्प लें कि किसी भी नागरिक की थाली केवल भरी हुई ही नहीं बल्कि पोषण से भरपूर भी हो। बाजार को भी समझना होगा कि कुछ रुपये का अतिरिक्त मुनाफा किसी की जिंदगी से बड़ा नहीं हो सकता। शुद्ध भोजन उपलब्ध कराना केवल व्यवसाय नहीं बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व है। यदि व्यापार ईमानदारी, गुणवत्ता और मानवता के मूल्यों के साथ किया जाएगा तो देश स्वस्थ होगा, समाज सशक्त बनेगा और आने वाली पीढ़ियां एक सुरक्षित भविष्य की ओर बढ़ सकेंगी। आखिर स्वस्थ भोजन पर हर व्यक्ति का समान अधिकार है और इस अधिकार की रक्षा करना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है।

भारतीय लोकतंत्र में जवाबदेही की राजनीति की वापसी

लोकतंत्र में सबसे बड़ा जनादेश चुनाव नहीं, बल्कि जनता का विश्वास होता है। चुनाव सरकारें बनाते हैं, लेकिन विश्वास उन्हें चलाता है। जब उस विश्वास पर प्रश्न उठते हैं, तब सरकारों को केवल प्रशासनिक और राजनीतिक जवाबदेही भी निभानी पड़ती है। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है। शायद यही कारण है कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा सामान्य राजनीतिक घटनाक्रम नहीं माना जाएगा। यह एक मंत्री का पद छोड़ना नहीं है, यह उस दबाव की स्वीकारोक्ति भी है, जो देशभर के लाखों छात्रों, अभिभावकों और समाज ने सरकार के सामने खड़ा कर दिया था। यह अलग बात है कि इस जवाबदेही तक पहुंचने में सरकार को लगभग दो सप्ताह लग गए। इसी कारण राजनीतिक विश्लेषकों का एक बड़ा वर्ग इसे समय पर लिया गया निर्णय नहीं, बल्कि डैमेज कंट्रोल का हिस्सा मान रहा है।

पवन वर्मा

धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफे के साथ जारी अपने दो पृष्ठ के पत्र में लिखा, 'पहले ही दिन से, इस पर मैंने जिम्मेदारी ली और इस परिस्थिति से कभी मुंह नहीं मोड़ा।' आगे वे लिखते हैं, 'पिछले 10 दिनों का घटनाक्रम देखकर मेरा मन दुःखी है। यह मेरे लिए व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का विषय नहीं है।' अंत में उन्होंने लिखा कि इसी परिस्थिति को देखते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना त्यागपत्र सौंप दिया। प्रधान के पत्र में जवाबदेही का भाव स्पष्ट दिखाई देता है। उन्होंने युवाओं की आकांक्षाओं का सम्मान करने की बात कही, परीक्षा प्रणाली में विश्वास बहाल करने की आवश्यकता स्वीकार की और यह भी लिखा कि देश की युवाशक्ति को भ्रम के चक्रव्यूह में नहीं फंसने दिया जा सकता। लेकिन राजनीति में केवल जिम्मेदारी स्वीकार करना ही पर्याप्त नहीं होता, उसका समय भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है। नीट-यूजी परीक्षा में पेपर लीक और अनियमितताओं की खबरों ने लाखों छात्रों की मेहनत पर सवाल खड़े कर दिए। कई छात्रों ने मानसिक तनाव झेला और कुछ ने आत्महत्या जैसा दुखद कदम भी उठाया। यह वह क्षण था, जब सरकार को तत्काल राजनीतिक संवाद शुरू करना चाहिए था। लेकिन शुरुआती दिनों में सरकार की प्रतिक्रिया अपेक्षाकृत सीमित रही। इसके बाद दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्र जुटे। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटाया। लाठीचार्ज और धक्का-मुक्की के दृश्य दुनिया भर में वायरल हो गए। कुछ ही दिनों में आंदोलन दिल्ली से निकलकर भोपाल, इंदौर, मुंबई, पुणे, पटना, रांची,लखनऊ, प्रयागराज से लेकर और कई अन्य अनेक शहरों तक फैल गया। जगह जगह हो रहे प्रदर्शन परीक्षा के साथ युवाओं के विश्वास का आंदोलन बन चुका था। इस पूरे घटनाक्रम में पहली बार ऐसा लगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसी बड़े राजनीतिक संकट में अपेक्षाकृत अकेले पड़ गए हैं। भाजपा की राजनीति की सबसे बड़ी ताकत हमेशा उसका संगठित ढांचा रहा है। किसी भी राष्ट्रीय मुद्दे पर केंद्र और भाजपा शासित राज्यों के बीच समन्वित राजनीतिक प्रतिक्रिया देखने को मिलती रही है। लेकिन नीट आंदोलन में ऐसी तस्वीर बहुत स्पष्ट नहीं दिखी। भोपाल,जबलपुर और इंदौर में छात्र प्रदर्शन कर रहे थे। पुणे और मुंबई में विरोध मार्च निकल रहे थे। पटना और रांची में भी युवाओं का गुस्सा दिखाई दे रहा था। इसके बावजूद अधिकांश भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री सार्वजनिक रूप से इस आंदोलन को लेकर सक्रिय नहीं दिखे। छात्रों से संवाद की कोई व्यापक पहल नजर नहीं आई। परिणाम यह हुआ कि पूरे घटनाक्रम का राजनीतिक भार सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आ गया। सरकार की सक्रियता तब तेज हुई, जब आंदोलन राष्ट्रीय स्वरूप ले चुका था। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के 47 कर्मचारियों को बर्खास्त किया गया। भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा तथा केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने छात्र प्रतिनिधियों से बातचीत शुरू की। छात्र संगठन सीजेपी ने अपनी मांगें सरकार के सामने रखीं। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोक परीक्षा कानून को और कठोर बनाने, पेपर लीक के मामलों में कड़ी सजा और फास्ट ट्रैक कोर्ट की व्यवस्था का आश्वासन दिया और आखिर में अंततः धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया। इन घटनाओं का क्रम अपने आप में बहुत कुछ कहता है। यदि यही निर्णय आंदोलन के पहले सप्ताह में लिए गए होते, तो शायद राजनीतिक माहौल अलग होता। लेकिन जब पूरा देश आंदोलित हो चुका था, तब उठाए गए कदमों को स्वाभाविक रूप से देर से उठाया गया कदम माना गया। भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में केंद्रीय मंत्रियों के इस्तीफों की परंपरा बहुत लंबी नहीं है, लेकिन जो गिने चुने उदाहरण हैं, वे आज भी राजनीतिक जवाबदेही के मानक माने जाते हैं। 1956 में तमिलनाडु के अरियालूर में भीषण रेल दुर्घटना हुई। देश के प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू थे और रेल मंत्री लाल बहादुर शास्त्री। दुर्घटना सीधे शास्त्रीजी की व्यक्तिगत गलती नहीं थी, फिर भी उन्होंने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे दिया। नेहरू उन्हें रोकना चाहते थे, लेकिन शास्त्री अपने निर्णय पर अडिग रहे। आज भी इसे भारतीय लोकतंत्र में मंत्री की जवाबदेही की सबसे बड़ी मिसाल माना जाता है। 1958 में नेहरू सरकार के वित्त मंत्री टी.टी. कृष्णमाचारी को एलआईसी-मुंद्रा प्रकरण के बाद पद छोड़ना पड़ा। 1962 में चीन युद्ध के बाद रक्षा मंत्री वी.के. कृष्ण मेनन ने इस्तीफा दिया। इन दोनों घटनाओं में भी यह संदेश गया कि सत्ता केवल अधिकार नहीं, उत्तरदायित्व भी है। 1999 में प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में गैसल रेल दुर्घटना हुई। रेल मंत्री नीतीश कुमार ने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दिया। वाजपेयी सरकार ने उस परंपरा का सम्मान किया। 2008 में 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार में गृह मंत्री शिवराज पाटिल को इस्तीफा देना पड़ा। बाद में 2 जी स्पेक्ट्रम प्रकरण में दूरसंचार मंत्री ए. राजा और दयानिधि मारन तथा कोयला आवंटन विवाद में कानून मंत्री अश्विनी कुमार ने भी पद छोड़ा। इन सभी घटनाओं में परिस्थितियां अलग थीं, लेकिन एक सूत्र समान था। जब जब सरकार पर जनता का भरोसा डगमगाया है, तब लोकतंत्र में जवाबदेही की मांग का सम्मान करते हुए त्याग पत्र दिए गए। वर्तमान परिस्थितियों में धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा उसी परंपरा में जुड़ता दिखाई देता है। हालांकि एक महत्वपूर्ण अंतर भी है। पहले के अधिकांश इस्तीफे दुर्घटना, युद्ध, आतंकी हमले या घोटालों के बाद हुए थे। इस बार दबाव का सबसे बड़ा स्रोत देश का छात्र वर्ग था। यह जेन-जी का आंदोलन था, जो सोशल मीडिया के माध्यम से कुछ ही दिनों में राष्ट्रीय जनमत तैयार करने में सफल रहा। इस पीढ़ी के लिए पारदर्शिता और जवाबदेही केवल राजनीतिक नारे नहीं, बल्कि अपेक्षाएं हैं।धर्मेंद्र प्रधान के पत्र में व्यक्त संवेदनाएं और जिम्मेदारी स्वीकार करने का भाव निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है। इतिहास किसी भी निर्णय का मूल्यांकन केवल उसके उद्देश्य से नहीं, बल्कि उसके समय से भी करता है। यही कारण है कि आने वाले वर्षों में नीट आंदोलन को पेपर लीक विवाद के रूप में नहीं, बल्कि उस आंदोलन के रूप में याद किया जा सकता है जिसने एक बार फिर भारतीय राजनीति को यह याद दिलाया कि सत्ता की असली ताकत बहुमत नहीं, विश्वास है और जब विश्वास डगमगाता है, तब लोकतंत्र जवाब मांगता है और तब अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करना ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है।

सौर ऊर्जा से बदली जिंदगी: पीएम सूर्य घर योजना ने आशीष मजूमदार का बिजली बिल किया शून्य, हर महीने हजारों रुपये की बचत

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। प्रधानमंत्री सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना आम नागरिकों के लिए आर्थिक राहत और ऊर्जा आत्मनिर्भरता का प्रभावी माध्यम बनकर उभर रही है मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले में इस योजना के सकारात्मक परिणाम अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। जिले के विकासखंड मनेन्द्रगढ़ निवासी आशीष मजूमदार इस योजना के सफल लाभार्थियों में शामिल हैं जिन्होंने अपने घर की छत पर सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित कर न केवल बिजली बिल से राहत पाई बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति भी मजबूत की है करीब सात महीने पहले आशीष मजूमदार ने प्रधानमंत्री सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना के तहत अपने घर में सोलर रूफटॉप संयंत्र लगाया। इस स्थापना के लिए उन्हें भारत सरकार से 78 हजार रुपये तथा छत्तीसगढ़ शासन से 30 हजार रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई। कुल 1.08 लाख रुपये की अनुदान राशि मिलने से सोलर सिस्टम की लागत काफी कम हो गई और बिना किसी आर्थिक दबाव के वे स्वच्छ ऊर्जा से जुड़ सके। आशीष मजूमदार बताते हैं कि सोलर सिस्टम लगाने से पहले उनके घर का मासिक बिजली बिल सामान्य दिनों में 2 हजार से 3 हजार रुपये तक आता था गर्मियों में एयर कंडीशनर और अन्य विद्युत उपकरणों के अधिक उपयोग के कारण यह बिल बढ़कर करीब 5 हजार रुपये प्रति माह तक पहुंच जाता था। लगातार बढ़ते बिजली खर्च का असर परिवार के मासिक बजट पर पड़ता था लेकिन सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित होने के बाद पिछले सात महीनों से उनका बिजली बिल पूरी तरह शून्य हो गया है। इससे हर महीने हजारों रुपये की बचत हो रही है जो अब परिवार के अन्य महत्वपूर्ण कार्यों में खर्च की जा रही है। आशीष मजूमदार के अनुसार अब उनके घर की अधिकांश बिजली जरूरतें सौर ऊर्जा से पूरी हो रही हैं बिजली बिल में होने वाली बचत का उपयोग वे बच्चों की शिक्षा, घरेलू आवश्यकताओं और भविष्य की आर्थिक योजनाओं में कर रहे हैं इससे परिवार पर आर्थिक बोझ कम हुआ है और नियमित बचत की नई संभावना भी बनी है उन्होंने कहा कि पहले जहां हर महीने बिजली बिल की चिंता रहती थी, वहीं अब सोलर सिस्टम लगने के बाद यह चिंता लगभग समाप्त हो गई है। उनका मानना है कि एक बार सोलर संयंत्र स्थापित करने के बाद कई वर्षों तक इसका लाभ मिलता है और परिवार को स्थायी आर्थिक राहत प्राप्त होती है प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना केवल बिजली बिल कम करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है आशीष मजूमदार का कहना है कि सौर ऊर्जा अपनाने से जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम होती है, जिससे कार्बन उत्सर्जन में कमी आती है और स्वच्छ पर्यावरण को बढ़ावा मिलता है उन्होंने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा अपनाना आज समय की आवश्यकता है और यदि अधिक से अधिक लोग इस योजना से जुड़ेंगे तो देश ऊर्जा आत्मनिर्भर बनने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्य को भी तेजी से प्राप्त कर सकेगा योजना से मिले लाभ पर खुशी व्यक्त करते हुए आशीष मजूमदार ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना विशेष रूप से मध्यमवर्गीय और सामान्य परिवारों के लिए बेहद उपयोगी है इससे बिजली बिल में बड़ी राहत मिलती है और परिवार की आय का बेहतर उपयोग अन्य आवश्यक कार्यों में किया जा सकता है उन्होंने जिले के अन्य नागरिकों से भी इस योजना का लाभ उठाने की अपील करते हुए कहा कि यदि लोग अपने घरों में सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित कराते हैं तो आने वाले वर्षों में उन्हें बिजली खर्च से काफी हद तक मुक्ति मिल सकती है प्रधानमंत्री सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से एमसीबी जिले में अक्षय ऊर्जा के प्रति लोगों का विश्वास लगातार बढ़ रहा है बड़ी संख्या में नागरिक अब अपने घरों में सोलर रूफटॉप सिस्टम लगाने के लिए आगे आ रहे हैं इससे न केवल बिजली की बचत हो रही है बल्कि स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को भी बढ़ावा मिल रहा है प्रशासन का मानना है कि योजना के सफल क्रियान्वयन से जिले में ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हो रही है साथ ही लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में भी यह योजना प्रभावी भूमिका निभा रही है।

सीएम से मुलाकात रद्द होने पर किसानों में नाराजगी: भोपाल से लौटे, अब पैदल मार्च और सीएम हाउस घेराव का ऐलान

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से प्रस्तावित मुलाकात रद्द होने पर संयुक्त किसान मोर्चा ने आंदोलन तेज करने का फैसला लिया है किसान नेताओं का आरोप है कि मुलाकात का समय तीन बार बदला गया और वे भोपाल के लिए रवाना भी हो गए लेकिन रास्ते में सूचना मिली कि मुख्यमंत्री दिल्ली चले गए हैं इसके बाद सभी किसानों को वापस लौटना पड़ा क्रांतिकारी किसान मजदूर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष लीलाधर राजपूत ने कहा कि किसान 'फालतू नहीं हैं' कि उन्हें बार-बार बुलाकर वापस भेज दिया जाए उन्होंने घोषणा की कि सोमवार को सेठानी घाट से भोपाल तक पैदल मार्च निकाला जाएगा और 30 जुलाई से मुख्यमंत्री निवास के बाहर अनिश्चितकालीन धरना दिया जाएगा संयुक्त किसान मोर्चा की आपात बैठक में तय किया गया कि किसान 29 जुलाई तक भोपाल पहुंचेंगे आंदोलन के लिए भोजन, रहने और मंच की व्यवस्था भी की गई है। किसानों की प्रमुख मांगों में मूंग की 100 प्रतिशत सरकारी खरीदी, ई-टोकन व्यवस्था को सरल और पारदर्शी बनाना तथा खरीदी से जुड़ी अन्य समस्याओं का समाधान शामिल है किसान नेताओं ने स्पष्ट किया कि मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

नैनो डीएपी से बदली महिला किसान की तकदीर: कम लागत में बेहतर उत्पादन की राह पर छिद्रकुंवर, बनीं क्षेत्र की प्रेरणा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर खेती को अधिक लाभकारी बनाया जा सकता है इसका जीवंत उदाहरण मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले के ग्राम विश्रामपुर की महिला कृषक छिद्रकुंवर ने प्रस्तुत किया है। उन्होंने पारंपरिक खेती से आगे बढ़ते हुए इफको नैनो डीएपी का उपयोग किया, जिससे उनकी फसल में बेहतर वृद्धि, कम लागत और अधिक उत्पादन की संभावनाएं मजबूत हुई हैं आज वे अपने क्षेत्र के किसानों, विशेषकर महिला कृषकों के लिए प्रेरणा बन गई हैं छिद्रकुंवर कई वर्षों से खेती कर रही हैं। बढ़ती उर्वरक लागत और उत्पादन में अनिश्चितता उनके सामने बड़ी चुनौती थी। इसी दौरान कृषि विभाग एवं आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित कछौड़, शाखा मनेन्द्रगढ़ के माध्यम से उन्हें इफको नैनो डीएपी की जानकारी मिली कृषि विशेषज्ञों ने बताया कि यह आधुनिक उर्वरक पौधों को आवश्यक पोषक तत्व अधिक प्रभावी ढंग से उपलब्ध कराता है और पारंपरिक डीएपी की तुलना में कम मात्रा में उपयोग होने के बावजूद बेहतर परिणाम देता है विशेषज्ञों की सलाह पर उन्होंने अपनी फसल में नैनो डीएपी का छिड़काव किया। कुछ ही समय में फसल में सकारात्मक बदलाव दिखाई देने लगे। पौधों की बढ़वार तेज हुई हरियाली बढ़ी और फसल पहले की तुलना में अधिक स्वस्थ एवं मजबूत नजर आने लगी। संतुलित विकास के कारण उत्पादन बढ़ने की उम्मीद भी मजबूत हुई है साथ ही पारंपरिक उर्वरकों पर होने वाला खर्च कम होने से खेती की लागत में कमी आई और लाभ की संभावना बढ़ी छिद्रकुंवर बताती हैं कि शुरुआत में उन्हें इस बात पर संदेह था कि कम मात्रा में उपयोग होने वाला उर्वरक इतना प्रभावी कैसे हो सकता है लेकिन प्रयोग के बाद उनके सभी संशय दूर हो गए। अब वे स्वयं अन्य किसानों, विशेषकर महिला कृषकों को वैज्ञानिक खेती अपनाने और नैनो डीएपी के उपयोग के लिए प्रेरित कर रही हैं उनकी सफलता इस बात का प्रमाण है कि कृषि विभाग द्वारा किसानों तक पहुंचाई जा रही आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक सलाह का सही उपयोग खेती को नई दिशा दे सकता है। नई कृषि तकनीकों को अपनाकर किसान उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ लागत कम कर अपनी आय में भी वृद्धि कर सकते हैं आज छिद्रकुंवर अपने क्षेत्र में आधुनिक और टिकाऊ खेती की मिसाल बन चुकी हैं। उनका अनुभव यह संदेश देता है कि बदलते समय के साथ वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को अपनाना ही समृद्ध किसान, आत्मनिर्भर कृषि और बेहतर भविष्य की मजबूत आधारशिला है।

नैनो डीएपी पर बढ़ा किसानों का भरोसा: पहली बार आधुनिक तकनीक अपनाएंगे मोहर सिंह, बेहतर उत्पादन की उम्मीद

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले में आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रति किसानों का रुझान लगातार बढ़ रहा है। विकासखंड भरतपुर के ग्राम बरौता निवासी किसान मोहर सिंह ने इस खरीफ सीजन में पहली बार अपनी फसल में इफको नैनो डीएपी का उपयोग करने का निर्णय लिया है। कृषि विभाग के मार्गदर्शन और अन्य किसानों के सकारात्मक अनुभवों से प्रेरित होकर उन्होंने वैज्ञानिक कृषि पद्धति अपनाने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम उठाया है

मोहर सिंह ने अपनी खेती के लिए प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति से नैनो डीएपी प्राप्त किया उनका कहना है कि आधुनिक तकनीकों के माध्यम से कम लागत में बेहतर उत्पादन हासिल किया जा सकता है इसी विश्वास के साथ उन्होंने इस वर्ष पारंपरिक उर्वरकों के साथ नई तकनीक को अपनाने का फैसला किया है उन्होंने बताया कि पिछले खरीफ सीजन में उनके गांव और आसपास के कई किसानों ने नैनो डीएपी का उपयोग किया था उन किसानों की फसल में बेहतर बढ़वार, पौधों का

संतुलित विकास और संतोषजनक उत्पादन देखने के बाद उनका भरोसा इस तकनीक पर और मजबूत हुआ दूसरों की सफलता से प्रेरित होकर उन्होंने भी इस बार अपनी फसल में नैनो डीएपी का प्रयोग करने का निर्णय लिया मोहर सिंह ने कहा, 'मैं पहली बार नैनो डीएपी का उपयोग कर रहा हूं। पिछले वर्ष गांव के किसानों को इसके अच्छे परिणाम मिले थे उनकी फसल देखकर मुझे विश्वास हुआ कि यह तकनीक खेती के लिए लाभदायक है। मुझे उम्मीद है कि इससे मेरी फसल की बढ़वार बेहतर होगी और उत्पादन में भी वृद्धि होगी उन्होंने नैनो डीएपी की सबसे बड़ी विशेषता इसके आसान परिवहन को बताया उनके अनुसार जहां पहले पारंपरिक उर्वरकों की भारी बोरियां खेत तक पहुंचाना चुनौतीपूर्ण होता था, वहीं नैनो डीएपी की छोटी बोतल को आसानी से बैग में रखकर खेत तक ले जाया जा सकता है इससे किसानों का समय, श्रम और परिवहन संबंधी खर्च में कमी आती है। मोहर सिंह ने अन्य किसानों से भी कृषि विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में वैज्ञानिक खेती और आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने की अपील की उनका कहना है कि नई तकनीकों का सही उपयोग खेती को अधिक लाभकारी, किफायती और टिकाऊ बना सकता है कृषि विभाग द्वारा जिले में किसानों को नैनो डीएपी, संतुलित उर्वरक प्रबंधन और वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों के संबंध में लगातार प्रशिक्षण एवं तकनीकी मार्गदर्शन दिया जा रहा है विभाग का उद्देश्य आधुनिक तकनीकों के माध्यम से उत्पादन बढ़ाना, खेती की लागत कम करना और किसानों की आय में स्थायी वृद्धि सुनिश्चित करना है मोहर सिंह जैसे किसानों की पहल इस दिशा में सकारात्मक बदलाव का संकेत मानी जा रही है।

जन्मदिन मनाने जा रहे युवकों पर गैंग का हमला, सरिया-डंडों से की बेरहमी से मारपीट, दबदबा बनाने के लिए वायरल किया वीडियो

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी शहर में गुटबाजी और आपसी रंजिश का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है देहात थाना क्षेत्र में जन्मदिन मनाने जा रहे युवकों पर स्कॉर्पियो सवार चार युवकों ने सरिया और डंडों से हमला कर दिया हमले में कई युवक घायल हो गए। आरोप है कि घटना के बाद हमलावरों ने इलाके में अपना दबदबा कायम करने के उद्देश्य से मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया पुलिस ने चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है पुलिस के अनुसार, पुरानी शिवपुरी के कुशवाह मोहल्ला निवासी 23 वर्षीय अंकित कुशवाह ने कोतवाली थाना में शिकायत दर्ज कराई है। अंकित ने बताया कि 26 जुलाई की शाम करीब 4:45 बजे वह अपने दोस्तों देवेंद्र कुशवाह, दीपेश कुशवाह, योगेश कुशवाह, राहुल कुशवाह और मोहित कुशवाह के साथ अपने मित्र हिमांशु बाथम का जन्मदिन मनाने के लिए उसे लेने पिपरसमा जा रहा था।

रास्ते में स्कॉर्पियो से पहुंचे आरोपी: अंकित के मुताबिक, जब सभी युवक गुरुनानक इंटरनेशनल स्कूल के पास पहुंचे, तभी पीछे से बिना नंबर की काले रंग की स्कॉर्पियो आकर रुकी वाहन से देवा रावत, अभि धाकड़, प्रिंस रावत और राजवीर गुर्जर उतरकर आए और पुरानी रंजिश को लेकर गाली-गलौज करने लगे जब अंकित ने इसका विरोध किया तो विवाद अचानक हिंसक हो गया आरोप है कि देवा रावत ने कांटेदार तार लगे डंडे से अंकित के बाएं हाथ पर हमला कर दिया, जिससे उसे गंभीर चोट आई इसके बाद राजवीर गुर्जर ने सरिया से उसके सिर पर वार किया जिससे उसके सिर से खून बहने लगा।

बीच-बचाव करने आए दोस्तों को भी नहीं छोड़ा: हमले के दौरान अंकित को बचाने के लिए उसके साथी देवेंद्र, दीपेश और योगेश आगे आए, लेकिन आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट शुरू कर दी इस हमले में देवेंद्र की पीठ पर खरोंच आई, जबकि दीपेश के हाथ और पीठ तथा योगेश के कंधे, पीठ और कोहनी में चोटें आईं।

भोपाल कूच पर किसानों को पुलिस ने रोका: 40 नेता हिरासत में, रिहाई तक आंदोलन जारी रखने का ऐलान

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। मूंग की शत-प्रतिशत खरीदी और खाद वितरण के लिए ई-टोकन व्यवस्था लागू करने की मांग को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा का आंदोलन सोमवार को निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया नर्मदापुरम के सेठानी घाट से भोपाल के लिए पैदल मार्च पर निकले किसानों को भोपाल चौराहे पर पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रोक दिया। इस दौरान प्रशासन और किसान नेताओं के बीच वार्ता का दौर चला, जबकि हिरासत में लिए गए नेताओं की रिहाई की मांग को लेकर किसान मौके पर डटे रहे आंदोलन की अगुवाई कर

रहे किसानों का कहना है कि जब तक हिरासत में लिए गए सभी किसान नेताओं को रिहा नहीं किया जाएगा, तब तक पैदल मार्च आगे नहीं बढ़ेगा शाम को कई घंटे नजरबंद रहने के बाद क्रांतिकारी किसान मजदूर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष लीलाधर सिंह राजपूत को रिहा कर दिया गया लेकिन उन्होंने साफ कहा कि सभी साथियों की रिहाई के बाद ही आंदोलन आगे बढ़ाया जाएगा।

भोपाल चौराहे पर रोका गया पैदल मार्च: सोमवार दोपहर बड़ी संख्या में किसान सेठानी घाट से नारेबाजी करते हुए भोपाल के लिए पैदल रवाना हुए थे आंदोलन से पहले ही किसान नेताओं ने घोषणा की थी कि यदि रास्ते में बैरिकेडिंग की गई तो वे उसे पार कर आगे बढ़ने का प्रयास करेंगे। हालांकि भोपाल चौराहे पर भारी पुलिस बल की मौजूदगी और बैरिकेडिंग के कारण मार्च रोक दिया गया मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहा प्रशासनिक अधिकारियों ने किसानों से बातचीत कर स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक राजन ने बताया कि कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक स्वयं किसान नेता लीलाधर सिंह राजपूत को लेकर मौके पर पहुंचे और किसानों से चर्चा की।

कानून की जानकारी ही सबसे बड़ी सुरक्षा, स्वामी आत्मानंद विद्यालय में विधिक साक्षरता शिविर, विद्यार्थियों को मिले साइबर सुरक्षा और कानूनी अधिकारों के गुर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। विद्यार्थियों में कानूनी जागरूकता बढ़ाने और उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से सोमवार को मनेन्द्रगढ़ स्थित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में छात्रों, शिक्षकों और उपस्थित नागरिकों को संवैधानिक अधिकारों, साइबर सुरक्षा, सड़क सुरक्षा, पॉक्सो अधिनियम, नशा मुक्ति अभियान और नि:शुल्क विधिक सहायता जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक विभिन्न कानूनी विषयों पर प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने सरल और व्यवहारिक उदाहरणों के माध्यम से समाधान किया।

शिविर को संबोधित करते हुए तालुका विधिक सेवा समिति, मनेन्द्रगढ़ के अध्यक्ष यशवंत वासनिकर एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी राकेश सिंह सोरी ने कहा कि कानून केवल न्यायालयों तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक के दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा है उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों के प्रति भी सजग रहना आवश्यक है जागरूक नागरिक ही सुरक्षित, जिम्मेदार और न्यायपूर्ण समाज की मजबूत नींव रखते हैं।

साइबर अपराधों से सतर्क रहने की सलाह: डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों को देखते हुए विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को ऑनलाइन सुरक्षा के प्रति विशेष रूप से जागरूक किया उन्होंने बताया कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें, ओटीपी, बैंक खाते की जानकारी या अन्य व्यक्तिगत विवरण किसी के साथ साझा न करें यदि किसी प्रकार की साइबर ठगी का सामना करना पड़े तो तत्काल साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी गई। विद्यालय के प्राचार्य ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को जागरूक, जिम्मेदार और कानून का सम्मान करने वाला नागरिक बनाना भी है उन्होंने ऐसे जागरूकता शिविरों को विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास और सामाजिक चेतना के लिए बेहद उपयोगी बताया सनि:शुल्क विधिक सहायता और सड़क सुरक्षा पर दी जानकारी कार्यक्रम में अधिकार मित्र अजय विश्वकर्मा (थाना मनेन्द्रगढ़) एवं अंजनी यादव (थाना झगराखांड) ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी उन्होंने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद नागरिकों को नि:शुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाती है ताकि कोई भी व्यक्ति आर्थिक अभाव के कारण न्याय से वंचित न रहे विद्यार्थियों को नि:शुल्क विधिक सहायता हेल्पलाइन 15100 के बारे में भी जानकारी दी गई शिविर में सड़क सुरक्षा को लेकर भी विस्तार से चर्चा हुई विद्यार्थियों को यातायात नियमों का पालन करने, दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने, चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाने तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करने की सलाह दी गई वक्ताओं ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल नियमों का पालन नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है।

पॉक्सो अधिनियम और नशा मुक्ति का दिया संदेश: कार्यक्रम के दौरान पॉक्सो अधिनियम के महत्वपूर्ण प्रावधानों की जानकारी देते हुए बच्चों के अधिकारों और लैंगिक अपराधों से सुरक्षा पर विस्तार से चर्चा की गई विद्यार्थियों को बताया गया कि किसी भी प्रकार के शोषण या उत्पीड़न की स्थिति में तुरंत संबंधित अधिकारियों को सूचित करना चाहिए। इसके अलावा ऑनलाइन धोखाधड़ी, फर्जी बैंक कॉल, केवाईसी अपडेट, निवेश और नौकरी के नाम पर होने वाली ठगी से बचने के उपाय भी बताए गए।

कारगिल विजय दिवस पर पूर्व सैनिकों का सम्मान: पिपरिया में शहीदों को श्रद्धांजलि, वीर जवानों के शौर्य को किया नमन

मीडिया ऑडीटर,पिपरिया (निप्र)। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर पिपरिया के सुभाष चौक में आयोजित समारोह में कारगिल युद्ध में शामिल रहे पूर्व सैनिकों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन पूर्व सैनिक संगठन पिपरिया, बनखेड़ी और पचमढ़ी के संयुक्त तत्वावधान में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लेकर देश के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। समारोह में विधायक ठाकुर दास नागवंशी और नगरपालिका अध्यक्ष नीना नवनीत नागपाल ने शहीदों को पुष्पचक्र अर्पित कर नमन किया। कार्यक्रम के दौरान भारत माता के जयघोष से वातावरण देशभक्ति के रंग में रंग गया पूर्व सैनिक संगठन के पदाधिकारियों ने कारगिल युद्ध में भारतीय सेना के अदम्य साहस, वीरता और बलिदान को याद करते हुए कहा कि देश की रक्षा में जवानों का योगदान सदैव प्रेरणादायी रहेगा इस अवसर पर कारगिल युद्ध में भाग लेने वाले क्षेत्र के पूर्व सैनिकों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने शहीदों के सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए समर्पित रहने का संकल्प भी लिया।

विदिशा में फसल बीमा जागरूकता रथों को दिखाई हरी झंडी, 130 पंचायतों में पहुंचकर किसानों को करेंगे जागरूक

26 से 31 जुलाई तक चलेगा विशेष अभियान, अऋणी किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से जोड़ने पर रहेगा विशेष फोकस

मीडिया ऑडीटर,विदिशा (निप्र)। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा 'फसल बीमा माह' के अंतर्गत प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए रविवार को विदिशा से दो विशेष जागरूकता रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अभियान का उद्देश्य जिले के अधिक से अधिक किसानों, विशेष रूप से अऋणी किसानों तक योजना की जानकारी पहुंचाकर उन्हें फसल बीमा के लिए प्रेरित करना है, ताकि प्राकृतिक आपदाओं और मौसम की अनिश्चितताओं से होने वाले नुकसान की स्थिति में उन्हें आर्थिक सुरक्षा मिल सके। स्थानीय विधायक श्री मुकेश टंडन, जिला पंचायत सीईओ श्री ओ.पी. सनोडिया तथा उप संचालक कृषि श्री सचिन जैन ने संयुक्त रूप से रविवार को उप संचालक कृषि कार्यालय परिसर से दोनों प्रचार-प्रसार रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर अधिकारियों ने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना किसानों के लिए सुरक्षा कवच के रूप में कार्य करती है और प्रत्येक पात्र किसान को इसका लाभ लेना चाहिए। जागरूकता अभियान के तहत दोनों रथ 26 जुलाई से 31 जुलाई 2026 तक जिले की लगभग 130 ग्राम पंचायतों का भ्रमण करेंगे। आधुनिक ऑडियो-वीडियो उपकरणों से सुसज्जित इन रथों के माध्यम से गांव-गांव पहुंचकर किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, बीमा कराने की समय-सीमा, प्रीमियम, दावा प्रक्रिया तथा योजना से मिलने वाले लाभों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। साथ ही लाउडस्पीकर के माध्यम से संदेश प्रसारित किए जाएंगे तथा पम्फलेट वितरित कर किसानों को जागरूक किया जाएगा। कृषि विभाग ने बताया कि इस वर्ष अभियान में विशेष रूप से अऋणी किसानों पर ध्यान केंद्रित किया गया है, क्योंकि ऐसे कई किसान अभी भी योजना का लाभ नहीं ले पा रहे हैं। विभाग का प्रयास है कि अधिक से अधिक किसान फसल बीमा कराकर अपनी मेहनत और फसल को प्राकृतिक आपदाओं, अतिवृष्टि, अल्पवृष्टि, ओलावृष्टि एवं अन्य जोखिमों से सुरक्षित कर सकें। रथ रवाना कार्यक्रम में फसल बीमा कंपनी एसबीआई के जिला प्रतिनिधि श्री राघवेंद्र शर्मा एवं श्री देवेंद्र वर्मा, कृषि विभाग के जिला सलाहकार डॉ. डी.के. तिवारी, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री विशाल यादव, आत्मा कार्यालय के ब्लॉक तकनीकी प्रबंधक श्री प्रदीप मालवीय, श्री नरेंद्र रघुवंशी, कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा महिला कृषकों की भी उल्लेखनीय उपस्थिति रही। कृषि विभाग ने जिले के सभी किसानों से अपील की है कि जब यह जागरूकता रथ उनके गांव पहुंचे तो वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर योजना की जानकारी प्राप्त करें तथा निर्धारित अंतिम तिथि से पहले अपनी फसलों का बीमा कराकर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ अवश्य उठाएं। यह अभियान किसानों को आत्मनिर्भर और सुरक्षित कृषि व्यवस्था की ओर अग्रसर करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा।

शिकारी तेंदुआ... मुर्गी के लालच में पिंजरे में फंसा तीन गांव में थी दहशत - अंबाखेड़ा के जंगल में वन विभाग ने एक दिन पहले ही लगाया था पिंजरा

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। एक माह से पंधाना इलाके के तीन गांवों में दहशत फैलाने वाले तेंदुए को वन विभाग की टीम ने पकड़ लिया। तेंदुए को पकड़ने के लिए 2 पार्टीशन वाला पिंजरा लगाया था। एक पार्टीशन में मुर्गी छोड़ी गई थी। शनिवार रात मुर्गी के लालच में जैसे ही तेंदुआ उसे लपकने पिंजरे में घुसा तो दरवाजा बंद हो गया। मुर्गी उड़कर दूसरे पार्टीशन में पहुंच गई और बच गई। लेकिन तेंदुआ सलाखों में फंस गया। वन विभाग ने रेस्क्यू कार्य के बाद तेंदुए को जंगल में छोड़ दिया।

4 माह से परेशान थे ग्रामीण, किसानों पर भी किया था हमला: पंधाना ब्लॉक के जंगल से लगे अंबाखेड़ा, खरखेड़ी व काकोड़ा ग्राम में पिछले चार माह से तेंदुआ दिखाई दे रहा था। एक माह से तेंदुए का मूवमेंट गांव की तरफ ज्यादा था। वह ग्रामीणों की बकरियां व कुत्तों का शिकार कर रहा था। शनिवार को उसने गाय के एक बछड़े को भी मार दिया था। खेतों में काम करने वाले किसानों को भी उसने झपटने की कोशिश की थी। अंबाखेड़ा के जंगल में शनिवार रात 10 बजे प्रभारी रेंजर शं?कर सिंह चौहान और टीम ने पिंजरा रखा था । 8-10 शिकायतें आई थी। ?फिर टीम ने रेस्क्यू कार्य करने के लिए पिंजरा लगाया। जिसमें देर रात तेंदुआ फंस गया। उसे सुरक्षित जंगल में छोड़ा है। -राकेश कुमार डामौर, डीएफओ

हमने तो बंदर पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया था: वहीं, रेस्क्यू को लेकर वन विभाग में ही भ्रम की स्थिति बनी हुई थी। रेस्क्यू दल में मौजूद वनकर्मियों ने बताया कि हमें नहीं पता कि तेंदुआ पकड़ना है। हमने बंदरों को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया ?था। लेकिन उसमें तेंदुआ फंस गया। पिंजरे में मुर्गी एक ग्रामीण ने छोड़ दी। हमें नहीं पता मुर्गी कहां से आई। रेस्क्यू करने की अलग-अलग बयानों से वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

रायसेन में महिला ने फांसी लगाकर दी जान बेटी ने मां को फंदे पर लटका देखा, पति कोर्ट में ड्यूटी पर था

मीडिया ऑडीटर,रायसेन (निप्र)। रायसेन शहर की शीतल सिटी कॉलोनी में सोमवार सुबह करीब 10 बजे एक महिला ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। महिला का पति कोर्ट में अपनी ड्यूटी पर था। महिला की बड़ी बेटी ने सबसे पहले अपनी मां को फंदे पर लटका देखा। घटना की सूचना मिलते ही कॉलोनी में भीड़ जमा हो गई। कोतवाली थाना प्रभारी नरेंद्र गोयल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, पंचनामा कार्रवाई पूरी की और शव को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा। मृतका की पहचान सरोज विश्वकर्मा (45) के रूप में हुई है। उनके परिवार में पति और दो बेटियां हैं। पड़ोसियों ने बताया कि कुछ समय पहले तक महिला सामान्य स्थिति में दिखी थी। कोतवाली थाना प्रभारी नरेंद्र गोयल ने बताया कि आत्महत्या का कारण अभी अज्ञात है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बहुत मार लिया, अब बस करो...:नर्मदापुरम में शराब के विवाद में पाइप और थप्पड़ से दो युवकों को बेहरमी से पीटा

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में इटारसी रोड स्थित पवारखेड़ा शराब दुकान के सामने रविवार को दो युवकों की बेरहमी से पिटाई का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो देर रात सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वीडियो में चार युवक दोनों युवकों को बाल पकड़कर होस पाइप, थप्पड़ और लात-घूंसों से पीटते नजर आ रहे हैं। मामले में देहात थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वीडियो में कुछ लोग बीच-बचाव करते हुए कहते सुनाई दे रहे हैं, 'बहुत मार लिया, अब बस करो।' वहीं पीड़ित कहता है, 'क्या मार ही डालोगे... बाल छोड़ो, तुम गलत कर रहे हो।' इस पर मारपीट करने वाले युवक गाली-गलौज करते हुए फिर हमला कर देते हैं। पीड़ित का आरोप है कि मारपीट करने वाले खुद को शराब दुकान का कर्मचारी बता रहे थे।

शराब पिलाने की बात को लेकर विवाद हुआ: पलासडोह गांव निवासी आदित्य गांगुलिया ने बताया कि उसका भाई सौरभ गांगुलिया अपने साथी विनोद बकोरिया के साथ शराब दुकान के बाहर बैठा था। दोनों आपस में बात कर रहे थे। इसी दौरान दुकान के अंदर से एक युवक बाहर आया और शराब पिलाने की बात कही। सौरभ ने पैसे नहीं होने की बात कही। इसके बाद वह युवक अंदर गया और होस पाइप लेकर लौटा। इसके बाद सौरभ के साथ मारपीट की और गालियां दीं। आदित्य ने बताया कि घटना का वीडियो उसे बाद में मिला, इसलिए अभी पुलिस को नहीं सौंपा गया है। वह जल्द ही वीडियो देकर एफआईआर में शामिल कराने की कार्रवाई करेगा। देहात थाना प्रभारी ऊषा मरावी ने बताया कि पुलिस को वीडियो मिल गया है। उसमें कुछ लोग मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं। उनकी पहचान के लिए शराब दुकान पर भी पूछताछ की गई, लेकिन वहां के लोगों ने उन्हें अपना कर्मचारी मानने से इनकार किया है। फिलहाल अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी पहचान की जा रही है।

वाहन की टक्कर से दो बाइक सवारों की मौत पिपरिया-मटकुली मार्ग पर डोकरीखेड़ा के पास हादसा, एक घायल रेफर

मीडिया ऑडीटर, पिपरिया (निप्र)। पिपरिया-मटकुली मार्ग पर रविवार रात सड़क हादसा हो गया। किसी वाहन ने बाइक सवारों को जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण दुर्घटना में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। स्टेशन रोड थाने के एसआई जीएस ठाकुर के अनुसार, मृतकों की पहचान डोकरीखेड़ा निवासी रामकुमार ठाकुर (40) और डापका निवासी धनराज (30) के रूप में हुई है। वहीं हादसे में डोकरीखेड़ा निवासी विनोद (30) गंभीर रूप से घायल हो गया है। घायल को 112 एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां सिर और पीठ पर गंभीर चोट होने के कारण उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

पिपरिया से गांव लौटते समय हुआ हादसा: घायल विनोद के पिता अखैराम ठाकुर ने बताया कि उनका बेटा और उनके दो दामाद (दोनों मृतक) बाइक से पिपरिया से अपने गांव डोकरीखेड़ा लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। पुलिस ने मर्ग कायम कर वाहन की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक घायल फिलहाल बयान देने की हालत में नहीं है।

ग्रामों में लोड शेडिंग के नाम पर रातभर बिजली गुल

सीहोर में अघोषित कटौती पर ग्रामीणों का प्रदर्शन, कई जगह चक्काजाम

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले में अघोषित बिजली कटौती और लोड शेडिंग से परेशान ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। इछावर रोड स्थित कंकरखेड़ा के पास दर्जनों गांवों के लोगों ने बिजली कंपनी के खिलाफ रातभर प्रदर्शन किया और मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। इस दौरान इछावर रोड पर लंबा जाम लग गया, जिससे यातायात बाधित हुआ। ग्रामीणों का आरोप है कि बिजली विभाग लोड शेडिंग का बहाना बनाकर बिना किसी पूर्व सूचना के घंटों बिजली कटौती कर रहा है। गर्मी और उमस के बीच दिन-रात बिजली गुल रहने से बुजुर्गों, बच्चों और मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

कंकरखेड़ा के पास ग्रामीणों ने सड़क पर उतरकर नारेबाजी की और वाहनों की आवाजाही रोक दी। चक्काजाम की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्हें ग्रामीणों के तीव्र विरोध का सामना करना पड़ा।

प्रदर्शनकारी ग्रामीणों ने कहा कि बिजली कटौती के कारण वे न तो सो पा रहे हैं और न ही काम कर पा रहे हैं। उन्होंने बिजली विभाग पर लोड शेडिंग के नाम पर गुमराह करने का आरोप लगाया। ग्रामीणों ने मांग की कि जब तक 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित नहीं होती और अघोषित कटौती पर रोक नहीं लगती, तब तक वे अपना प्रदर्शन जारी रखेंगे।

ग्रामीणों ने बताया कि वे लगातार बिजली अधिकारियों से शिकायत कर रहे हैं, लेकिन उन्हें केवल आश्वासन ही मिल रहे हैं। अघोषित बिजली कटौती से न केवल आम जनजीवन प्रभावित हुआ है, बल्कि किसानों की सिंचाई और छोटे दुकानदारों के कारोबार पर भी नकारात्मक असर पड़ा है।

पैतृक जमीन विवाद में विवाहिता ने फांसी लगाकर जान दी बची हुई जमीन बेचने का विरोध कर रही थी

- तीन साल पहले शादी हुई थी

मीडिया ऑडीटर,छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के ईशानगर थाना क्षेत्र के हतनाई गांव में पैतृक जमीन विवाद के चलते रविवार को 21 वर्षीय एक विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका अपने पीछे छह माह की एक बेटी छोड़ गई है। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, हतनाई गांव निवासी रानी आदिवासी (21) की शादी तीन वर्ष पहले राजेश आदिवासी से हुई थी।

चाचा पर बची जमीन बेचने का आरोप: मृतका के पिता सजी आदिवासी, जो राजनगर थाना क्षेत्र के भिलगुवा निवासी हैं, ने आरोप लगाया है कि रानी के चाचा ससुर भुजी आदिवासी और सास भागवती ने पैतृक जमीन का एक हिस्सा बेच दिया था। वे शेष जमीन को भी बेचने की तैयारी कर रहे थे, जिसका रानी लगातार विरोध कर रही थी। परिजनों के अनुसार, रानी अक्सर कहती थी कि 'अगर पूरी जमीन बिक जाएगी तो बच्चों का क्या होगा?' जमीन को लेकर घर में आए दिन विवाद होते थे, जिसके कारण रानी लंबे समय से मानसिक तनाव में थी।

मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे: रविवार को घटना की सूचना मिलने पर ईशानगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा। मृतका के पिता ने दोहराया कि उनकी बेटी को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था, जिसके चलते उसने यह आत्मघाती कदम उठाया। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। ईशानगर थाना पुलिस ने बताया कि मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है।

सागर जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

चयन परीक्षा के लिए 31 जुलाई तक ऑनलाइन

आवेदन जमा कर सकेंगे विद्यार्थी

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर में जवाहर नवोदय विद्यालय खुरई में शैक्षणिक सत्र 2027-28 के लिए कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए प्रक्रिया शुरू हो गई है। जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा (JNVST-2027) के ऑनलाइन आवेदन जमा होने लगे हैं। पात्र विद्यार्थी 31 जुलाई तक नवोदय विद्यालय समिति की वेबसाइट 222.navodaya.gov.in और प्रवेश पोर्टल https://cbseitms.rcil.gov.in पर निशुल्क ऑनलाइन पंजीयन करा सकते हैं। जिले के सभी शासकीय और अशासकीय मान्यता प्राप्त प्राथमिक विद्यालयों में वर्तमान सत्र में कक्षा 5वीं में अध्ययनरत विद्यार्थी आवेदन के लिए पात्र हैं। अभ्यर्थी का जन्म 1 मई 2015 से 31 जुलाई 2017 के बीच होना और उसके माता-पिता का सागर जिले का निवासी होना अनिवार्य है। चयन परीक्षा 28 नवंबर शनिवार को सुबह 11 बजे आयोजित की जाएगी। पिछले वर्ष जिले से 6,026 विद्यार्थियों ने आवेदन किया था। इस वर्ष आवेदनों में कम से कम 10 प्रतिशत वृद्धि व 50 प्रतिशत या उससे अधिक बालिकाओं की भागीदारी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सभी संस्था प्रमुखों, प्रधानाध्यापकों, जनशिक्षकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे 31 जुलाई से पहले पात्र विद्यार्थियों का शत-प्रतिशत ऑनलाइन पंजीयन कराएं।

62.55 किलो डोडाचूरा जब्त: पंजाब के दो तस्कर गिरफ्तार

मंदसौर में ट्रक सहित 53 लाख का माल जब्त, तीसरे आरोपी की तलाश

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले की मल्हारगढ़ थाना पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने 62 किलो 550 ग्राम डोडाचूरा के साथ पंजाब के दो तस्करों को गिरफ्तार किया। इस दौरान तस्करी में इस्तेमाल एक ट्रक भी जब्त किया गया। जब्त डोडाचूरा और ट्रक की कुल कीमत लगभग 53.24 लाख रुपये आंकी गई है। यह कार्रवाई मध्य प्रदेश पुलिस के विशेष जनजागरूकता अभियान 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' के तहत की गई। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना के निर्देशन और थाना प्रभारी अनिल रघुवंशी के नेतृत्व में यह सफलता मिली। पुलिस को रविवार को मुखबिर से सूचना मिली थी कि नीमच की ओर से एक टाटा ट्रक में अवैध डोडाचूरा ले जाया जा रहा है। इस सूचना पर पुलिस ने महू-नीमच रोड पर मल्हारगढ़ थाने के सामने घेराबंदी की। टाटा ट्रक (क्क-08-श्वत्र-6899) को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें 62 किलो 550 ग्राम डोडाचूरा बरामद हुआ। पुलिस ने ट्रक में सवार गुरनीत सिंह (55), निवासी मुगलानी, थाना खादूर साहिब, जिला तरणतारण (पंजाब) और राजिंदर सिंह (35), निवासी सरहाली खुर्द, थाना सरहाली, जिला तरणतारण (पंजाब) को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार किया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे यह डोडाचूरा राजू उर्फ राजेंद्र सिंह से लेकर आए थे। राजू पटियाला (पंजाब) का निवासी है और वर्तमान में चंगेरी फंटा, मल्हारगढ़ में रहता है। पुलिस ने राजू के खिलाफ भी एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है। इस मामले में अपराध क्रमांक 141/2026, धारा 8/15, 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। थाना प्रभारी अनिल रघुवंशी ने बताया कि आरोपियों को सोमवार को कोर्ट में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा। रिमांड के दौरान डोडाचूरा की आगे की सप्लाई चेन और पूरे तस्करी नेटवर्क का पता लगाया जाएगा।

चार साल पुरानी ओवेरियन सिस्ट की सफल जटिल सर्जरी

बुरहानपुर जिला अस्पताल में अंडाशय से निकाला 5 लीटर द्रव बचाई महिला की जान

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर जिला अस्पताल के चिकित्सकों ने रविवार को 45 वर्षीय एक महिला की जटिल सर्जरी सफलतापूर्वक की है। महिला पिछले चार साल से दाहिने अंडाशय में बड़ी गांठ और ओवेरियन सिस्ट की समस्या से पीड़ित थी। ऑपरेशन के दौरान अंडाशय से लगभग 5 लीटर द्रव निकाला गया। आवश्यक जांचों के बाद चिकित्सकों की टीम ने यह सफल ऑपरेशन किया। सर्जरी में छोटा चीरा लगाकर अंडाशय में जमा द्रव सावधानीपूर्वक बाहर निकाला गया। इस जटिल सर्जरी को शल्य चिकित्सक डॉ. मुमताज अंसारी, शल्य चिकित्सक डॉ. प्रतीक चौधरी, डॉ. श्वेता शिवहरे, स्टाफ नर्स पल्लवी साहू और मानसी पासवान की टीम ने सफलतापूर्वक अंजाम दिया। जिला चिकित्सालय प्रबंधन ने इस सफल सर्जरी के लिए पूरी चिकित्सकीय और नर्सिंग टीम की सराहना की। अस्पताल प्रबंधक धीरज चौहान ने बताया कि जिला चिकित्सालय में मरीजों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। मरीज और उनके परिजनों ने सफल उपचार के लिए चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ और जिला चिकित्सालय प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया।

डंडे उखाड़ दिए ! अशोक शर्मा ने लहराया पहला इंटरनेशनल विकेट

हवा में घूमता रह गया स्टंप

हरारे ,एजेसीं। भारत और जिम्बाब्वे के बीच खेली गई तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज में युवा ब्रिगेड ने मेजबानों का 3-0 से सूपड़ा साफ कर दिया। इस सीरीज के दौरान भारत के तेज गेंदबाज अशोक शर्मा को अपना इंटरनेशनल डेब्यू करने का मौका मिला। हालांकि, अपने डेब्यू मैच में वे बिना कोई विकेट लिए खाली हाथ रहे थे, लेकिन तीसरे टी-20 में मिले मौके को उन्होंने दोनों हाथों से भुनाया और एक ऐसा यादगार विकेट चटकाया जिसे वे पूरे जीवन नहीं भूल पाएंगे।

17वें ओवर में आई 'मैजिकल बॉल', उड़ गया ऑफ स्टंप

जिम्बाब्वे की पारी के 17वें ओवर में कप्तान ने गेंद अशोक शर्मा के हाथों में थमाई। सीरीज के दौरान उनकी गेंदों पर कुछ कैच भी छूटे थे, ऐसे में वे इस बार बल्लेबाज को कोई मौका देने के मूड में नहीं थे।

17वें ओवर की पहली ही गेंद पर अशोक ने अपनी खौफनाक रफ्तार का जलवा दिखाया। अशोक शर्मा ने अराउंड द विकेट आकर ऑफ स्टंप के बाहर एक फुल लेंथ गेंद फेंकी। गेंद जैसे ही टप्पा खाकर थोड़ी अंदर की तरफ कांटा बदली, जिम्बाब्वे के बल्लेबाज मारुमानी ड्राइव लगाने के चक्कर में पूरी तरह बीट हो गए। बैट और पैड के बीच से निकलती हुई गेंद सीधे ऑफ स्टंप पर जा टकराई।

स्टंप्स ने लगाई हवा में छलांग, फिर अशोक शर्मा का खास सेलिब्रेशन

गेंद इतनी तेज और घातक थी कि ऑफ स्टंप उखड़कर हवा में चार बार घूमता हुआ पीछे जा गिरा। किसी भी तेज गेंदबाज के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट में अपना पहला विकेट इस अंदाज में पाना एक सपने के सच होने जैसा होता है।

इस ड्रीम डिलीवरी के साथ ही अशोक शर्मा ने इंटरनेशनल क्रिकेट में अपना पहला विकेट का खाता खोला, जिसका वीडियो और पल सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। फैनकोड ने अपने सोशल मीडिया पर इसका वीडियो शेयर किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि विकेट लेने के बाद अशोक शर्मा अपने दोनों हाथ जोड़कर आसमान की ओर नमन कर रहे हैं। मानो वह इस विकेट के लिए भगवान का धन्यवाद कर रहे हो।

जिम्बाब्वे दौरे पर 'प्लेयर ऑफ द सीरीज'

वैभव सूर्यवंशी ने इन्हें दिया सफलता का श्रेय

हरारे ,एजेसीं। 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी जिम्बाब्वे दौरे पर 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुने गए। सूर्यवंशी इस टी20 सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे, जिन्होंने 3 मुकाबलों में 50.33 की औसत के साथ 151 रन जड़े, जिसमें 2 अर्धशतकीय पारियां भी शामिल रहीं। सूर्यवंशी ने जिम्बाब्वे दौरे पर अपने इस शानदार प्रदर्शन का श्रेय अंतरिम कोच वीवीएस लक्ष्मण और बैटिंग कोच हृषिकेश कानितकर को दिया है। उन्होंने कहा कि इन कोचों ने उन्हें पूरी रणनीतिक आजादी और सही मार्गदर्शन दिया। रविवार को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में, सूर्यवंशी ने धीमी पिच पर 49 गेंदों में 81 रन की पारी खेली, जिसमें 4 छक्के और 8 चौके शामिल रहे। शानदार पारी के लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' भी चुना गया। वैभव सीरीज के पहले मैच में 19 गेंदों में 50 रन की पारी खेली थी। यह इंग्लैंड में उनके खराब प्रदर्शन के बिल्कुल उलट है, जहां उन्होंने तीन पारियों में सिर्फ 42 रन बनाए थे। सूर्यवंशी ने सोमवार को बीसीसीआई के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, 'सीनियर भारतीय टीम के लिए खेलना, 'प्लेयर ऑफ द मैच' और 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' बनना मेरे लिए एक सपना सच होने जैसा है।

मैं बहुत खुश हूं और उन सभी का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं, जिन्होंने इस सफर में मेरा साथ दिया। मैं सीनियर खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ का आभारी हूं। सूर्यवंशी ने कहा, 'मैच से पहले हमारे हेड कोच वीवीएस सर और हृषिकेश सर ने मुझसे बात की। उन्होंने मुझसे इस बारे में काफी चर्चा की है कि उस समय मैं कैसा महसूस कर रहा था। सीरीज शुरू होने से पहले मैं कैसा महसूस कर रहा था और मेरी सोच क्या थी। उन्होंने मुझे पूरी आजादी दी और कहा कि बस खेलो और किसी चीज के बारे में मत सोचो। ' सूर्यवंशी ने विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन के साथ अपनी जुड़ाव का भी जिक्र किया। ये दोनों ही खिलाड़ी बिहार से हैं। वैभव ने कहा कि इससे राष्ट्रीय टीम में उनका तालमेल आसानी से बन गया।

उन्होंने कहा, 'मुझे ऐसा नहीं लगता कि मैं अकेला हूं या सीनियर टीम में हूं।

हमें प्रेरित करने के लिए धन्यवाद, जानें अय्यर ने जिम्बाब्वे सीरीज जीतने के बाद किसका आभार जताया

हरारे ,एजेसीं। भारत के टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर और अंतरिम मुख्य कोच वीवीएस लक्ष्मण ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 3-0 से मिली जीत में एक-दूसरे की भूमिका की सराहना की। भारत ने इस श्रृंखला में अपेक्षाकृत नयी टीम उतारी थी जिसमें संजू सैमसन, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा जैसे कई खिलाड़ी शामिल नहीं थे। भारत ने रविवार को तीसरे और अंतिम टी20 मैच में 35 रन की जीत के साथ श्रृंखला में क्लीन स्वीप किया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (BCCI) ने ड्रेसिंग रूम का एक वीडियो साझा किया है जिसमें लक्ष्मण ने अय्यर की मजबूत मानसिकता की सराहना की है। लक्ष्मण ने इस महीने की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ 0-4 की हार का जिक्र करते हुए कहा, 'मैं श्रेयस को विशेष रूप से बधाई देना चाहता हूं क्योंकि उनके कप्तानी करियर की शुरुआत थोड़ी मुश्किल रही, लेकिन जिस तरह से उन्होंने वापसी की, वह शानदार था। वह पहले मैच से एक दिन पहले जब हमसे जुड़े और तभी से जीत के लिए आश्वस्त थे।' उन्होंने कहा, 'इस टीम में कई नए खिलाड़ी शामिल थे। हम जानते हैं कि इंग्लैंड में खेलने वाले खिलाड़ियों में से केवल चार या पांच ही इस दौरे पर हमारे साथ शामिल थे। लेकिन वह आत्मविश्वास से भरे हुए थे। जिस तरह से कप्तान ने आप सभी को प्रेरित किया उसे देखते हुए इस जीत का बहुत सारा श्रेय कप्तान को जाता है।' अय्यर ने लक्ष्मण का आभार व्यक्त किया जिन्हें मुख्य कोच गौतम गंभीर को विश्राम दिए जाने के बाद इस दौरे के लिए अंतरिम कोच नियुक्त किया गया था। अय्यर ने कहा, 'इस श्रृंखला में कुछ कैच छोड़ने के अलावा हमारा प्रदर्शन बेदाग रहा। सहयोगी स्टाफ सहित टीम के हर सदस्य ने अपना योगदान दिया।' उन्होंने कहा, 'हमें प्रेरित करने और हमारा हौसला बढ़ाने के लिए वीवीएस सर आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। हर दिन जब हम मैदान पर कदम रखते थे, तो मुझे लगता था कि आपने जो कुछ भी कहा वह बिल्कुल सही था और हम उससे जुड़ाव महसूस कर सकते थे। इसलिए आपका बहुत-बहुत आभार।'

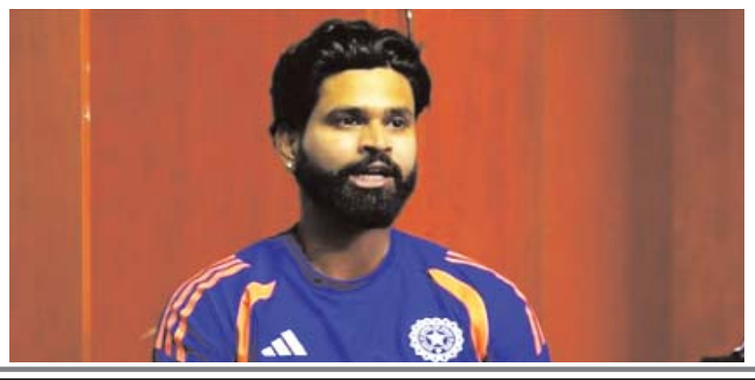

हार्दिक पंड्या की फिटनेस पर बड़ा अपडेट

इस सीरीज से वापसी लगभग तय

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या अब पूरी तरह फिट हो चुके हैं और आगामी सीमित ओवरों की सीरीज के लिए चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (ष्टश्वश्व) में अपना रिटर्न-टू-प्ले प्रोटोकॉल सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। ऐसे में सितंबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली वनडे और टी20 सीरीज में उनकी वापसी की पूरी संभावना है।

चोट के कारण लंबे समय से थे बाहर

आईपीएल 2026 के बाद हार्दिक पंड्या पीठ में ऐंठन और बाद में जांघ की मांसपेशी (हैमस्ट्रिंग) में हल्की चोट के कारण मैदान से दूर हो गए थे। इसी वजह से वह अफगानिस्तान और इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज का हिस्सा नहीं बन सके। उनकी गैरमौजूदगी में टीम इंडिया को ऑलराउंड विभाग में संतुलन बनाने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। रिपोर्ट्स के अनुसार हार्दिक ने अब पूरी फिटनेस हासिल कर ली है और मेडिकल टीम की निगरानी में सभी जरूरी टेस्ट भी सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं। बीसीसीआई का रिटर्न-टू-प्ले प्रोटोकॉल पूरा करने के बाद अब उनके चयन का रास्ता लगभग साफ माना जा रहा है।

- **सीरीज में हो सकती है वापसी-** भारत को फिलहाल 15 अगस्त से श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। इसके बाद सितंबर में वेस्टइंडीज की टीम भारत दौरे पर आएगी। दोनों देशों के बीच पहले तीन मैचों की वनडे सीरीज और फिर पांच टी20 मैचों की सीरीज खेली जाएगी। हार्दिक के टेस्ट टीम में शामिल होने की संभावना नहीं है, लेकिन वनडे और टी20 टीम में उनकी वापसी लगभग तय मानी जा रही है। चयनकर्ता भी आगामी बड़े टूर्नामेंटों को ध्यान में रखते हुए उन्हें नियमित क्रिकेट में वापसी का मौका देना चाहेंगे।
- **टीम इंडिया के लिए क्यों हैं बेहद अहम-** हार्दिक पंड्या भारत के सबसे प्रभावशाली ऑलराउंडरों में गिने जाते हैं। वह तेज गेंदबाजी के साथ मध्यक्रम में विस्फोटक बल्लेबाजी करने की क्षमता रखते हैं, जिससे टीम का संतुलन मजबूत होता है।

'मैंने बहुत त्याग किए...'

मीराबाई चानू का कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड की हैट्रिक के बाद पहला बयान आया सामने

ग्लासगो (स्कॉटलैंड) ,एजेसीं। ओलंपिक मेडलिस्ट मीराबाई चानू ने लगातार तीसरी बार कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने के बाद कहा कि वह 'बेहद खुश और बहुत भावुक' हैं। उन्होंने बताया कि सालों के त्याग, चोटों और मानसिक तनाव ने इस उपलब्धि को और भी खास बना दिया है। भारतीय वेटलिफ्टिंग स्टार ने रविवार को कॉमनवेल्थ गेम्स में महिलाओं के 48 किग्रा वर्ग का खिताब जीता। गोल्ड कोस्ट 2018 और बर्मिंघम 2022 में जीत के बाद यह उनकी गोल्ड मेडल की शानदार हैट्रिक थी। उनकी इस जीत से भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पहला गोल्ड मेडल भी मिला। इस उपलब्धि पर बात करते हुए चानू ने कहा कि टॉप तक पहुंचने का सफर बिल्कुल भी आसान नहीं था। उन्होंने कहा, 'मैं बहुत खुश और बहुत भावुक भी हूं। इन खेलों तक पहुंचने और मेडल जीतने के लिए मैंने बहुत त्याग किए और तनाव व चोटों का सामना किया। मुझे नहीं पता था कि मैं कॉमनवेल्थ रिकॉर्ड बनाऊंगी। मेरा पूरा ध्यान सिर्फ अपने कोच द्वारा बताए गए लिफ्ट को पूरा करने पर था।' टोक्यो ओलंपिक में सिल्वर मेडल जीतने वाली इस खिलाड़ी ने शुरुआत से ही मुकाबले पर अपना दबदबा बनाए रखा। उन्होंने स्नैच में 85द्मद्द वजन उठाकर कॉमनवेल्थ रिकॉर्ड बनाया और इवेंट पर अपनी पकड़ मजबूत की। क्लीन एंड जर्क में चानू 82द्मद्द के अपने पहले प्रयास में लड़खड़ा गईं, लेकिन उन्होंने तुरंत वापसी की। उन्होंने दूसरे प्रयास में वजन उठाया और फिर तीसरे प्रयास में 85द्मद्द वजन उठाकर नया कॉमनवेल्थ गेम्स और कॉमनवेल्थ रिकॉर्ड बनाया। इसके बाद उन्होंने 105द्मद्द वजन उठाकर अपना शानदार प्रदर्शन पूरा किया और दमदार अंदाज में गोल्ड मेडल जीता। इसके साथ ही वह लगातार तीन कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने वाली कुछ चुनिंदा भारतीय एथलीटों में शामिल हो गईं। यह जीत चानू के शानदार करियर में एक और अहम उपलब्धि थी। उनकी कामयाबियों की लिस्ट पहले से ही बहुत शानदार है, जिसमें ओलंपिक सिल्वर मेडल और वर्ल्ड चैंपियनशिप का ख़िताब शामिल है। उनकी जीत ने ग्लासगो 2026 में वेटलिफ्टिंग में भारत की मजबूत शुरुआत को भी जारी रखा। इससे पहले दिन में चनंबम ऋषिकंत सिंह ने पुरुषों के 60द्मद्द इवेंट में सिल्वर मेडल जीता था, जबकि बाद में राजा मुथुपांडी ने पुरुषों के 65द्मद्द कैटेगरी में एक और सिल्वर मेडल अपने नाम किया। चानू की सफलता ने यह सुनिश्चित किया कि गेम्स में पहली बार भारत का राष्ट्रगान बजाया जाए। इससे देश के अभियान को काफी बढ़ावा मिला, क्योंकि ग्लासगो में अभी और भी मेडल इवेंट्स होने बाकी हैं।

वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने ग्लासगो में लहराया तिरंगा, कॉमनवेल्थ गेम्स में लगाई गोल्डन हैट्रिक

ग्लासगो,एजेसीं। ओलंपिक मेडलिस्ट मीराबाई चानू ने रविवार को ग्लासगो में कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय वेटलिफ्टिंग के इतिहास में एक और सुनहरा अध्याय लिखा। चानू ने महिलाओं के 48 किग्रा वर्ग का खिताब जीतकर कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल की हैट्रिक पूरी कर ली। इसी के साथ उन्होंने गेम्स और कॉमनवेल्थ स्नैच रिकॉर्ड भी तोड़े। नाइजीरिया की सिल्वर मेडलिस्ट रूथ असुकुओ न्योंग कुल 168 किग्रा वजन (75 स्नैच और 93 क्लीन एंड जर्क) उठाकर दूसरे स्थान पर रहीं, जो मीराबाई के विजयी प्रदर्शन से पूरे 22 किग्रा कम था। मलेशिया की आइरीन हेनरी ने कुल 167 किग्रा (77 स्नैच और 90 क्लीन एंड जर्क) ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। मीराबाई चानू ने 2014 ग्लासगो में सिल्वर मेडल हासिल किया था। इसके बाद 2018 गोल्ड कोस्ट, 2022 बर्मिंघम और 2026 ग्लासगो में गोल्ड मेडल अपने नाम किए। ग्लासगो गेम्स में भारत की पहली गोल्ड मेडलिस्ट मीराबाई ने मुश्किल शुरुआत से उबरते हुए शानदार प्रदर्शन किया; हालांकि वह 82 किग्रा स्नैच के अपने पहले प्रयास में असफल रहीं, लेकिन टोक्यो ओलंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट ने दूसरे प्रयास में वह वजन उठा लिया और फिर अपने आखिरी प्रयास में बार का वजन बढ़ाकर 85 किग्रा कर दिया ।

भारत को बड़ा झटका

राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी गुरिंदरवीर सिंह का 100 मीटर हीट में सफर समाप्त

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत की सबसे बड़ी एथलेटिक्स पदक उम्मीदों में शामिल गुरिंदरवीर सिंह पुरुषों की 100 मीटर स्पर्धा के शुरुआती हीट से आगे नहीं बढ़ सके। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी भारतीय धावक सेमीफाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे, जिससे भारत की एथलेटिक्स में पदक की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। गुरिंदरवीर ने मई 2026 में रांची में आयोजित फेडरेशन कप में 10.09 सेकंड का समय निकालकर इतिहास रचा था। वह 10.10 सेकंड से कम समय में 100 मीटर दौड़ने वाले पहले भारतीय पुरुष धावक बने थे। इस प्रदर्शन के बाद उनसे राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन की उम्मीदें थीं, लेकिन अपने पहले कॉमनवेल्थ गेम्स में वह उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके। 10.39 सेकंड का समय भी नहीं दिला सका सेमीफाइनल का टिकट 100 मीटर हीट में गुरिंदरवीर सिंह ने 10.39 सेकंड का समय निकाला। हालांकि यह प्रदर्शन सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए पर्याप्त नहीं रहा। सभी 11 हीट समाप्त होने के बाद गुरिंदरवीर 73 धावकों में 28वें स्थान पर रहे। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए शीर्ष 17 धावकों को जगह मिली। रिपोर्ट के अनुसार यदि गुरिंदरवीर 10.24 सेकंड का समय निकालते तो वह अगले दौर के लिए क्वालिफाई कर सकते थे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर पहुंचे थे ग्लास्गो गुरिंदरवीर ने फेडरेशन कप में 10.09 सेकंड का राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा था। उन्होंने यह रिकॉर्ड बनाते हुए अनिमेष कुजूर के एक दिन पहले बने राष्ट्रीय रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया था।

हली ही गेंद पर झटका विकेट, मयंक यादव ने की भुवनेश्वर कुमार के खास रिकॉर्ड की बराबरी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय तेज गेंदबाज मयंक यादव ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीसरे टी20 मुकाबले में शानदार वापसी का सिलसिला जारी रखते हुए पहली ही गेंद पर विकेट लेकर बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए मुकाबले में मयंक ने जिम्बाब्वे के सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट को पहली गेंद पर आउट कर भारत को बेहतरीन शुरुआत दिलाई। इस विकेट के साथ उन्होंने भारत के पूर्व तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार के एक खास टी20 अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। पहली गेंद पर विकेट लेकर बनाया खास रिकॉर्ड 193 रन के लक्ष्य का बचाव कर रही भारतीय टीम को पहले ही ओवर में सफलता दिलाते हुए मयंक यादव ने अपनी पहली गेंद पर ब्रायन बेनेट को चलता किया। यह तीसरी बार है जब मयंक ने किसी टी20 अंतरराष्ट्रीय पारी की पहली गेंद पर विकेट हासिल किया।इसके साथ ही वह भुवनेश्वर कुमार के बाद दूसरे भारतीय गेंदबाज बन गए हैं ।

- भुवनेश्वर कुमार - 3 बार
- मयंक यादव - 3 बार
- हार्दिक पंड्या - 2 बार
- अर्शदीप सिंह - 2 बार
- रविचंद्रन अश्विन - 1 बार

दो साल बाद वापसी में लगातार शानदार प्रदर्शन

24 वर्षीय मयंक यादव लगभग दो साल बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं। चोटों के कारण लंबे समय तक क्रिकेट से दूर रहने के बाद उन्होंने जिम्बाब्वे दौरे पर वापसी की और अपनी रफ्तार से एक बार फिर सभी को प्रभावित किया।

SPL भारत कप 2027 का ऐलान, Tvw फॉर्मेट,

ऑक्शन सिस्टम और 31 लाख रुपये की प्राइज मनी के साथ होगा आयोजन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय युवाओं को क्रिकेट के माध्यम से बेहतर अवसर देने, चरित्र निर्माण, अनुशासन, राष्ट्र निर्माण और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के उद्देश्य से शुरू किए गए स्क्क क्रिकेट टूर्नामेंट का दूसरा संस्करण अब नए नाम और नए स्वरूप के साथ आयोजित किया जाएगा। 27 जुलाई 2026 को जयपुर स्थित कंस्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान फाउंडर विजय शर्मा ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की कि अब यह आयोजन 'स्क्क भारत कप' के नाम से आयोजित होगा। मार्च 2026 में सफलतापूर्वक संपन्न हुए पहले संस्करण के बाद अब इसका दूसरा संस्करण फरवरी और मार्च 2027 में खेला जाएगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि इस बार केवल नाम ही नहीं बदला गया है, बल्कि पूरे आयोजन को अधिक पेशेवर, पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए कई बड़े बदलाव किए गए हैं। इनमें ञ्च12 फॉर्मेट, सिंथेटिक लेदर बॉल, नई चयन प्रक्रिया, खिलाड़ियों का ऑक्शन और बढ़ी हुई पुरस्कार राशि प्रमुख हैं। आयोजकों का कहना है कि SPL भारत कप का उद्देश्य केवल क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित करना नहीं, बल्कि देशभर के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को ऐसा मंच उपलब्ध कराना है, जहां वे अपनी प्रतिभा के दम पर आगे बढ़ सकें और भविष्य में भारतीय क्रिकेट का

प्रतिनिधित्व करने का सपना साकार कर सकें। जयपुर में हुआ स्क्क भारत कप 2027 का आधिकारिक ऐलान जयपुर के कंस्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में SPL भारत कप 2027 के दूसरे संस्करण की औपचारिक घोषणा की गई। इस अवसर पर टूर्नामेंट के नए नाम, ञ्च12 प्रारूप, सिंथेटिक लेदर बॉल, नई चयन प्रक्रिया, खिलाड़ियों की कैटेगरी, ऑक्शन सिस्टम और आकर्षक पुरस्कार राशि की जानकारी साझा की गई। इस दौरान फाउंडर विजय शर्मा, कमिश्नर और 1983 वर्ल्ड कप विजेता मदन लाल, चीफ एडवाइजर सुमेंद्र तिवारी तिवारी, स्ट्रैटेजिक एडवाइजर अजय भाटीवाल, क्रिकेट ऑपरेशन्स चीफ संजीव मिश्रा और सेक्रेटरी योगेश शर्मा मौजूद रहे। विजय शर्मा बोले, यह केवल क्रिकेट नहीं, युवाओं के भविष्य का अभियान फाउंडर विजय शर्मा ने कहा कि स्क्क भारत कप की शुरुआत केवल एक क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित करने के उद्देश्य से नहीं की गई थी। इसकी सोच यह थी कि देश के युवाओं को ऐसा मंच मिले जहां वे अपनी प्रतिभा दिखाने के साथ अनुशासन, चरित्र और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को भी समझ सकें।

दादाजी धूनीवाले धाम में आध्यात्मिक शक्ति का होता है अनुभव : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री ने खंडवा में किए दर्शन-पूजन, बोले- मर्यादा और नियमों के अनुरूप होगा धाम का विकास

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को खंडवा जिला मुख्यालय स्थित प्रसिद्ध दादाजी धूनीवाले धाम पहुंचकर दर्शन-पूजन किया इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह पवित्र धाम बाहरी आडंबरों से अलग है जहां पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को आंतरिक शांति और आध्यात्मिक शक्ति का अनुभव होता है मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दर्शन के बाद स्थानीय मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए कहा कि धूनीवाले दादाजी का जीवन जनकल्याण की भावना से प्रेरित था उन्होंने अपने जीवनकाल में सर्वधर्म सद्भाव, जरूरतमंदों की सेवा और भूखों को भोजन उपलब्ध कराने जैसे कार्यों को प्राथमिकता दी। दादाजी ने श्रद्धा और सेवा के माध्यम से लोगों के दुखों को दूर करने का प्रयास किया मुख्यमंत्री ने कहा कि खंडवा स्थित दादाजी धूनीवाले धाम केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि लाखों श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास का केंद्र है बड़े दादाजी और छोटे दादाजी की तपोभूमि के रूप में यह स्थान खंडवा ही नहीं बल्कि पूरे मध्यप्रदेश के लिए गौरव का विषय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से दादाजी धूनीवाले धाम में चल रहे निर्माण कार्यों को लेकर विभिन्न मत सामने आते रहे हैं राज्य सरकार सभी विषयों का समाधान निकालते हुए विकास कार्यों को गति देने के लिए प्रयासरत है उन्होंने कहा कि धाम की धार्मिक परंपराओं, मर्यादा और आस्था को ध्यान में रखते हुए सभी कार्य नियमों और संयम के साथ किए जाएंगे सरकार का उद्देश्य है कि दादाजी धूनीवाले धाम को ऐसा स्वरूप दिया जाए, जहां श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलें और इसकी आध्यात्मिक पहचान भी बनी रहे मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार दादाजी धाम के विकास के लिए हरसंभव सहयोग करेगी विकास कार्यों में धार्मिक भावनाओं, परंपराओं और स्थानीय आस्था का पूरा सम्मान रखा जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दादाजी धूनीवाले का जीवन समाज सेवा और मानव कल्याण का संदेश देता है उनके विचार आज भी लोगों को सेवा, सद्भाव और समर्पण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक और आध्यात्मिक केंद्र समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं यहां आने वाले श्रद्धालु केवल पूजा-अर्चना ही नहीं करते बल्कि सेवा और मानवता के मूल्यों से भी जुड़ते हैं खंडवा का दादाजी धूनीवाले धाम लंबे समय से श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र रहा है देशभर से लोग यहां पहुंचकर दर्शन करते हैं और दादाजी के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हैं धाम की विशेष पहचान इसकी सादगी, आध्यात्मिक वातावरण और सेवा परंपरा के कारण बनी हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि धार्मिक स्थलों का विकास करते समय उनकी मूल भावना और परंपराओं को बनाए रखना आवश्यक है सरकार इसी दृष्टिकोण के साथ दादाजी धूनीवाले धाम के विकास को आगे बढ़ाएगी उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक स्थलों के संरक्षण एवं विकास के लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है ऐसे स्थान प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करते हैं और देश-दुनिया के लोगों को आकर्षित करते हैं मुख्यमंत्री के दादाजी धूनीवाले धाम पहुंचने के दौरान श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल रहा उन्होंने धाम में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और जनकल्याण की कामना की।

मैहर के ओइला आश्रम में प्रतिमा खंडित, संत समाज ने सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। सतना रोड स्थित स्वामी नीलकंठ महाराज जी ओइला आश्रम में गुरु महाराज की प्रतिमा खंडित किए जाने का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है घटना के विरोध में सोमवार को संत समाज और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा संत समाज ने ज्ञापन के माध्यम से मांग की कि प्रतिमा खंडित करने वाले दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए और आश्रम की भूमि पर किए गए कथित अवैध कब्जे को हटाया जाए ज्ञापन में बताया गया कि 25 जुलाई को आश्रम में गुरु महाराज की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा के लिए हवन-पूजन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा था। इसी दौरान कुछ लोगों ने कार्यक्रम का विरोध किया और साधु-संतों के साथ अभद्र व्यवहार किया आरोप है कि उपद्रवियों ने प्रतिमा को क्षति पहुंचाई, जिससे प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम प्रभावित हुआ ज्ञापन सौंपने के बाद बड़े अखाड़ा के महाराज श्री सीता वल्लभ शरण के नेतृत्व में संत समाज ने कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी से मुलाकात की कलेक्टर ने संतों को मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन दिया।

सिंध स्मृति दिवस पर प्रतिभाओं का होगा सम्मान, भारतीय सिंधू सभा की बैठक में कार्यक्रमों की रूपरेखा तय, पदाधिकारियों का हुआ अभिनंदन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। राष्ट्रीय समाजसेवी संस्था भारतीय सिंधू सभा, सतना शाखा की विशेष बैठक रविवार को कंवर नगर सिंधी कॉलोनी स्थित अमर शहीद हेमू कालानी पार्क परिसर में आयोजित की गई बैठक की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष अशोक चांदवानी ने की। इस दौरान आगामी अखंड भारत सिंध स्मृति दिवस एवं सामाजिक प्रतिभा सम्मान समारोह के आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई तथा विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई बैठक के दौरान समाज सेवा और संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने पर भी जोर दिया गया। इस अवसर पर विंध्य चेंबर ऑफ कॉमर्स के नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं भारतीय सिंधू सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश सुखेजा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष निर्वाचित मनोहर वाधवानी तथा कार्यकारिणी सदस्य चुने गए संस्था के महामंत्री विनोद गेलानी का पुष्पहार एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया साथ ही सफल सिंधू दर्शन यात्रा पूरी करने पर किशोर वलेचा का भी भव्य स्वागत किया गया। संस्था के महामंत्री विनोद गेलानी ने जानकारी दी कि आगामी 9 अगस्त को भोपाल में भारतीय सिंधू सभा एवं मेला समिति के संयुक्त तत्वावधान में प्रांतीय प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा इस समारोह में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा उन्होंने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य समाज की प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना तथा नई पीढ़ी को प्रेरित करना है बैठक में नवीन सदस्यता अभियान को भी गति देने पर गंभीरता से चर्चा हुई। पदाधिकारियों ने अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोड़ने और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया कार्यक्रम का संचालन महामंत्री विनोद गेलानी ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य गोपीचंद कापड़ी ने किया बैठक में राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य गोपी गेलानी, प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश सुखेजा, संस्था अध्यक्ष अशोक चांदवानी, महिला शाखा प्रदेश उपाध्यक्ष राखी होतचंदानी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य गोपीचंद कापड़ी, विजय जग्यासी, मनोहर आर्तनी, अशोक आहूजा, पहलाज राय भावनानी, जेठानंद वाधवानी, कालू पुरुस्वानी, इंद्रलाल कापड़ी, सुरेश बासानी, केशव माखीजा, संजय आहूजा, रंजीत सेनानी, ज्ञान खटवानी, राजकुमार रोचलानी, दीपक सचदेवा, भरत कामदार, महिला शाखा अध्यक्ष सिमरन होतचंदानी, कशिश नागदेव, जिया आहूजा, युवा शाखा अध्यक्ष विकास सुखेजा, महामंत्री जैकी छाबड़िया सहित बड़ी संख्या में समाज के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

व्यापारियों से संवाद करने सतना पहुंचे रीवा संभाग आईजी गौरव राजपूत : चेंबर ऑफ कॉमर्स के कार्यक्रम में शहर की समस्याओं पर हुई चर्चा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। विंध्य चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा आयोजित 'चेंबर से मिलिए' कार्यक्रम में रीवा संभाग के आईजी गौरव राजपूत सतना पहुंचे कार्यक्रम के दौरान उन्होंने शहर के व्यापारियों से सीधा संवाद किया और शहर की वर्तमान व्यवस्थाओं, समस्याओं तथा कानून व्यवस्था से जुड़े विषयों पर सुझाव लिए कार्यक्रम में बड़ी संख्या में व्यापारी एवं चेंबर के पदाधिकारी उपस्थित रहे। आईजी गौरव राजपूत ने व्यापारियों से शहर की यातायात व्यवस्था, सुरक्षा, व्यापारिक गतिविधियों में आने वाली समस्याओं और प्रशासनिक सहयोग से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की व्यापारियों ने शहर की विभिन्न समस्याओं से आईजी को अवगत कराया और उनके समाधान के लिए सुझाव रखे। व्यापारियों ने बाजार क्षेत्रों में बेहतर यातायात प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और शहर के विकास से जुड़े विषयों पर अपनी बात रखी आईजी गौरव राजपूत ने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि प्रशासन और पुलिस आम जनता एवं व्यापारिक समुदाय के साथ समन्वय बनाकर काम करेगी उन्होंने कहा कि शहर की व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए नागरिकों और व्यापारियों का सहयोग महत्वपूर्ण है विंध्य चेंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों ने कहा कि ऐसे संवाद कार्यक्रमों से प्रशासन और व्यापारियों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित होता है इससे शहर की समस्याओं को समझने और उनके समाधान की दिशा में प्रभावी कदम उठाने में मदद मिलती है कार्यक्रम के दौरान व्यापारियों ने शहर के विकास, सुरक्षा और सुविधाओं को लेकर अपने विचार साझा किए। आईजी ने सभी सुझावों को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया 'चेंबर से मिलिए' कार्यक्रम व्यापारिक समुदाय और पुलिस प्रशासन के बीच संवाद का महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ।

बौलिहा में सड़क-राजस्व ग्राम की मांग तेज, जनपद सदस्य प्रतिनिधि भूख हड़ताल पर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। रैगांव विधानसभा क्षेत्र के बौलिहा गांव में सड़क, शिक्षा सुविधाओं और राजस्व ग्राम का दर्जा देने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने आंदोलन शुरू कर दिया है सोमवार से जनपद सदस्य प्रतिनिधि उपेंद्र शुक्ला भूख हड़ताल पर बैठ गए जबकि बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं और ग्रामीणों ने धरना देकर प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से गांव की समस्याओं को लेकर मांग उठाई जा रही है लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं किया गया इसी कारण मजबूरी में आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा है ग्रामीणों के अनुसार करीब एक हजार की आबादी वाले बौलिहा गांव में अब भी कई मूलभूत सुविधाओं का अभाव है।

RCCPL की लोक सुनवाई में गूंजे जनहित के मुद्दे, जयंती तिवारी ने रोजगार, CSR और प्रदूषण नियंत्रण पर उठाई आवाज

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। भरौली में आयोजित RCCPL प्राइवेट लिमिटेडकी क्षमता विस्तार (द्वितीय यूनिट) से संबंधित लोक सुनवाई में जनहित और पर्यावरण संरक्षण के मुद्दे प्रमुखता से उठाए गए। जिला पंचायत सदस्य जयंती तिवारीने प्रभावित ग्रामीणों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की मांग करते हुए कंपनीप्रबंधन और प्रशासन के समक्ष कई महत्वपूर्ण सुझाव रखे लोक सुनवाई में अपर कलेक्टर संजना जैनएवं मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्डके क्षेत्रीय अधिकारी सुधांशु तिवारीसहित प्रशासनिक अधिकारी, कंपनी के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे जयंती तिवारी ने कहा कि औद्योगिक विकास तभी सार्थक होगा, जब उससे प्रभावित लोगों को उसका सीधा लाभ मिले। उन्होंने मांग की कि कंपनी के कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी फंड का उपयोग प्रभावित गांवों में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास पर किया जाए उन्होंने यह भी कहा कि जिन किसानों की भूमि औद्योगिक परियोजना के लिए अधिग्रहित की गई है, उनके परिवारों के सदस्यों को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार उपलब्ध कराया जाए ताकि उन्हें स्थायी आजीविका का अवसर मिल सके। पर्यावरण संरक्षण के मुद्दे पर जयंती तिवारी ने कंपनी से प्रभावी और पारदर्शी प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था लागू करने की मांग की उन्होंने कहा कि उद्योग के संचालन से आसपास के गांवों के पर्यावरण और लोगों के स्वास्थ्य पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए इसके लिए प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े सभी मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए उन्होंने कहा कि औद्योगिक विकास और पर्यावरण संरक्षण एक-दूसरे के पूरक हैं। इसलिए विकास योजनाओं में स्थानीय लोगों की भागीदारी, पारदर्शिता और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए लोक सुनवाई के दौरान प्रशासन ने उपस्थित लोगों की आपत्तियां और सुझाव दर्ज किए अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि सभी बिंदुओं पर नियमानुसार विचार किया जाएगा और पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप आगे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

मां शारदा मंदिर में बाढ़ का फर्जी वीडियो वायरल, पुलिस ने बताया AI से तैयार

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। विश्व प्रसिद्ध मां शारदा मंदिर में बाढ़ आने का दावा करने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद पुलिस ने इसे फर्जी और भ्रामक बताया है मैहर पुलिस के अनुसार मंदिर परिसर में ऐसी कोई बाढ़ जैसी स्थिति नहीं बनी और वायरल वीडियो वास्तविक नहीं है। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में मंदिर की सीढ़ियों पर तेज जलप्रवाह दिखाई दे रहा है वीडियो के साथ दावा किया गया कि भारी बारिश के कारण श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ा यह वीडियो 'सनातन अध्यात्म' नामक यूट्यूब चैनल से वायरल हुआ, जिसे अब तक लाखों लोग देख चुके हैं मैहर नगर पुलिस अधीक्षक महेंद्र सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में वीडियो फर्जी पाया गया है उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में मैहर में इतनी बारिश नहीं हुई, जिससे मंदिर परिसर में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो। पुलिस के अनुसार, वीडियो को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से तैयार या एडिट किए जाने की आशंका है पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि वीडियो किसने और किस उद्देश्य से बनाया पुलिस ने लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर किसी भी वीडियो या संदेश को बिना पुष्टि के आगे साझा न करें भ्रामक जानकारी फैलाने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

मर्यादपुर पंचायत में पाइप खरीदी पर उठे सवाल : सरपंच के बेटे की फर्म से खरीद का आरोप, ग्रामीणों ने जांच की मांग की

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। जनपद पंचायत रामनगर क्षेत्र की ग्राम पंचायत मर्यादपुर में सामग्री खरीदी को लेकर विवाद खड़ा हो गया है ग्रामीणों ने पंचायत द्वारा की गई PWC पाइप खरीदी पर सवाल उठाते हुए कथित अनियमितता के आरोप लगाए ग्रामीणों का कहना है कि जिस कंपनी के नाम से पाइप खरीदी गई है, उसकी उपलब्धता क्षेत्र की दुकानों में नहीं मिल रही है ग्रामीणों के अनुसार ग्राम पंचायत मर्यादपुर द्वारा करीब 350 इंच पाइप की खरीदी 2 लाख 59 हजार 700 रुपये में की गई है। पाइप की खरीदी दर लगभग 742 रुपये प्रति इंच बताई जा रही है आरोप है कि यह खरीदी सरपंच के बड़े बेटे की फर्म से की गई है जिससे हितों के टकराव को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं ग्रामीणों ने दावा किया कि रामनगर, अमरपाटन, सतना, रीवा, जबलपुर और इंदौर सहित कई स्थानों पर दुकानदारों से जानकारी लेने पर कथित रूप से बताया गया कि इस नाम की पाइप कंपनी का कोई नियमित विक्रय नहीं होता इसी आधार पर ग्रामीणों ने खरीदी प्रक्रिया की जांच की मांग उठाई है ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत में सामग्री खरीदी के दौरान नियमों की अनदेखी की गई है उन्होंने कहा कि यदि पंचायत स्तर पर पारदर्शिता नहीं रहेगी तो विकास कार्य प्रभावित होंगे ग्रामीणों ने सरपंच, सचिव और संबंधित मूल्यांकन अधिकारियों की भूमिका की जांच की मांग की है हालांकि मामले में पंचायत या संबंधित अधिकारियों का पक्ष सामने नहीं आया है अब देखना होगा कि शिकायतों के आधार पर प्रशासन इस खरीदी प्रक्रिया की जांच कराता है या नहीं ग्रामीणों का कहना है कि निष्पक्ष जांच से ही वास्तविक स्थिति सामने आ सकेगी और जिम्मेदारों पर कार्रवाई होनी चाहिए।

सतना में सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर से मारपीट, कैमरा तोड़ने का आरोप

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में एक सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर के साथ कथित मारपीट और कैमरा उपकरण क्षतिग्रस्त करने का मामला सामने आया है शिकायत के आधार पर पुलिस ने एक नामजद आरोपी सहित अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना रविवार रात करीब 12 बजे नजीराबाद क्षेत्र की बताई जा रही है। राजेंद्र नगर निवासीसंत कुमार सेन ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि उनका रास्ता रोककर गाली-गलौज की गई, मारपीट की गई और जान से मारने की धमकी दी गई। उन्होंने करीब20 हजार रुपए कीमत के कैमरा उपकरण को नुकसान पहुंचाने का भी आरोप लगाया है संत कुमार सेन सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों की समस्याओं को उठाते हैं और कोचिंग संस्थान भी संचालित करते हैं उन्होंने बताया कि वह नजीराबाद क्षेत्र में एक विषय पर स्टोरी करने गए थे आरोप है कि लौटते समय कुछ युवकों ने उनसे विवाद किया और बाद में मारपीट की।

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि मारपीट के दौरान उन्हें पत्रकार और नेता बनने जैसी बातें कहकर धमकाया गया उन्होंने पुलिस कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठाते हुए कहा कि घटना के कुछ पहलुओं को एफआईआर में शामिल नहीं किया गया वहीं पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना : 82.70 लाख किसानों के खातों में पहुंचे 3308 करोड़ रुपये

बलराम कृषि महोत्सव में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया सिंगल क्लिक से राशि अंतरण, किसानों को आधुनिक और प्राकृतिक खेती अपनाने की अपील

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को प्रदेश के किसानों को बड़ी सौगात देते हुए मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत 82 लाख 70 हजार से अधिक किसानों के बैंक खातों में 3308 करोड़ रुपये की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की खंडवा जिला मुख्यालय में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रत्येक पात्र किसान के खाते में एकमुश्त चार हजार रुपये की सहायता राशि पहुंचाई मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि

मध्यप्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने, खेती को लाभकारी बनाने और कृषि क्षेत्र को आधुनिक स्वरूप देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है उन्होंने कहा कि बलराम कृषि महोत्सव केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि किसानों को वैज्ञानिक खेती, नई तकनीकों और समृद्ध भविष्य से जोड़ने का व्यापक अभियान है यह किसानों का अपना महोत्सव है, जिसमें किसान नई जानकारियां प्राप्त कर अपनी खेती को नई दिशा दे सकते हैं कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कृषि प्रदर्शनी का अवलोकन किया प्रदर्शनी में आधुनिक कृषि तकनीक, उन्नत बीज, जैविक खेती, हाईटेक खेती, खाद्य प्रसंस्करण और कृषि आधारित नवाचारों को प्रदर्शित किया गया था। मुख्यमंत्री ने किसानों से इन तकनीकों को अपनाकर उत्पादन बढ़ाने और खेती को अधिक लाभकारी बनाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि अब खेती का स्वरूप बदल रहा है पारंपरिक खेती के साथ आधुनिक और वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को अपनाना समय की आवश्यकता है उन्होंने किसानों से अपने खेतों की मिट्टी की जांच कराने और मिट्टी की गुणवत्ता के अनुसार फसल चयन करने की अपील की उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से बचते हुए किसानों को प्राकृतिक और जैविक खेती की ओर बढ़ना चाहिए साथ ही फसल विविधीकरण अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि एक ही प्रकार की फसल लेने के बजाय किसान एक साथ विभिन्न फसलों का उत्पादन करें जिससे आय के नए स्रोत विकसित होंगे मुख्यमंत्री ने कहा कि खेती में नवाचार और वैज्ञानिक सोच अपनाने वाले किसान प्रदेश की पहचान बदल रहे हैं उन्होंने किसानों को कृषि क्षेत्र में नई तकनीकों, ड्रोन, आधुनिक सिंचाई पद्धतियों और खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खंडवा जिले के किसानों की मेहनत और नवाचारों की सराहना की उन्होंने कहा कि खंडवा की काली मिट्टी फसलों के लिए बेहद उपजाऊ है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।